तापमान
अधिकतम 35.5°C
न्यूनतम 24.7°C

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, रविवार 26 जुलाई 2026

11 कैडेट्स ने वीर शहीदों को काव्यांजलि अर्पित की

12 फाजिलपुर गांव को विकास की सौगात

खबर संक्षेप

प्रदेशभर में निकलेगा ओपीएस संकल्प मार्च

सोनीपत। पेंशन बहाली संघर्ष समिति और एनएमओपीएस के बैनर तले पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर 2 अगस्त से प्रदेशभर में ओपीएस संकल्प मार्च निकाला जाएगा। एनएमओपीएस के आईटी सेल प्रभारी व समिति के प्रदेश मुख्य सलाहकार डॉ. प्रमोद ईष्टकान ने बताया कि इसकी शुरुआत 2 अगस्त को रोहतक से होगी, जबकि 7 फरवरी 2027 को कुरुक्षेत्र में राज्य स्तरीय ओपीएस संकल्प मार्च आयोजित किया जाएगा। सोनीपत में यह मार्च 20 सितंबर को निकलेगा। उन्होंने कहा कि एनपीएस और यूपीएस कर्मचारियों के हित में नहीं हैं तथा सरकार को पुरानी पेंशन योजना बहाल करनी चाहिए।

सिर पर चोट लगने से हुई उदिता की मौत

सोनीपत। सेक्टर-10 स्थित रेलवे हाईराइज सोसायटी में सातवीं मंजिल से गिरकर जान गंवाने वाली 25 वर्षीय उदिता पाटिल की मौत सिर में गंभीर चोट लगने और शरीर के अंदरूनी अंगों को हुए गहरे नुकसान के कारण हुई। पोस्टमार्टम की प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है। चिकित्सकों के अनुसार, हादसे में उदिता के दोनों पैरों की हड्डियां भी टूट गई थीं। विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट बाद में जारी की जाएगी। पुलिस के अनुसार, उदिता अपने परिवार के साथ रेलवे हाईराइज सोसायटी में रहती थीं।

ज्ञान नगर और भीम नगर में कई बच्चे हो चुके चोटिल, लोग बोले- ठेकेदार 13 दिन से गायब

7 माह बाद बनी सड़क, अब खुले सीवर बने नई मुसीबत

ठेकेदार की मनमानी से कॉलोनीवासी परेशान, शिकायतों के बाद भी नहीं हुआ समाधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

नगर निगम की ओर से सीवर और पेयजल लाइन डालने के बाद गलियों का पुनर्निर्माण तो कर दिया गया, लेकिन ज्ञान नगर और भीम नगर के लोगों की परेशानी अभी खत्म नहीं हुई है। कॉलोनियों में जगह-जगह सीवर और स्ट्रॉम वाटर लाइन के हॉल बिना ढक्कन के खुले पड़े हैं, जो हादसों को न्योता दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठेकेदार गली निर्माण का काम अधूरा छोड़कर पिछले 13 दिन से गायब है। खुले सीवर में गिरकर कई बच्चे चोटिल हो चुके हैं, जबकि शिकायतों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो रहा।

कॉलोनी वासी जगदीश, शिव कुमार, सुशील, कृष्ण, अशोक कुमार, सुरेश कुमार ने कॉलोनीवासियों के अनुसार, नए वार्ड-15 और पुराने वार्ड-11 के अंतर्गत आने वाली ज्ञान नगर, भीम नगर और बत्रा कॉलोनी में सीवर और पेयजल लाइन डालने के बाद नगर निगम ने करीब 90 लाख रुपये की लागत से गलियों के पुनर्निर्माण का कार्य कराया है। अधिकतर गलियों का निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन कई स्थानों पर सीवर और स्ट्रॉम वाटर लाइन के हॉल खुले छोड़ दिए गए हैं। लोगों ने बताया कि खुले सीवर के कारण विशेषकर रात के समय दोपहिया वाहन चालकों को दुर्घटना का डर बना रहता है। राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मानसून के दौरान जलभराव होने पर इन खुले हॉल से हादसे का खतरा और बढ़ सकता है।

ज्ञान नगर में ये हाल

90 लाख खर्च के बाद भी सुविधाओं का इंतजार, लोग हो रहे परेशान

कॉलोनी के लोग सीवर पर ढक्कन लगाने की लगा रहे गुहार

7 माह तक गलियों की हालत रही खराब कॉलोनीवासियों का कहना है कि सीवर, पेयजल और स्ट्रॉम वाटर लाइन डालने के लिए दिसंबर 2025 में गलियों को उखाड़ा गया था। इसके बाद करीब सात माह तक लोग टूटी गलियों की समस्या झेलते रहे। कई बार शिकायतों और मांगों के बाद गलियों का निर्माण शुरू हुआ, लेकिन अब सीवर के ढक्कन नहीं लगाए जाने से नई परेशानी खड़ी हो गई है। लोगों ने निगम अधिकारियों और कर्मचारियों पर विकास कार्यों में लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि गलियों में पड़ा मलबा, खुले सीवर और अधूरे काम लोगों के लिए खतरा बने हुए हैं। उन्होंने मांग की कि जल्द से जल्द सभी सीवर हॉल पर ढक्कन लगाए जाएं और अधूरे कार्य पूरे किए जाएं।

कॉलोनी के लोगों पर नाराजगी

बारिश में जलभराव का खतरा बढ़ा

सात माह तक टूटी गलियों की परेशानी झेलने के बाद अब खुले सीवर हॉल ने नई समस्या खड़ी कर दी है। 13 दिन से ठेकेदार का कोई पता नहीं है। बारिश के मौसम में जलभराव से खतरा और बढ़ जाएगा।
-सुरेश कुमार, ज्ञान नगर

टैक्स देने के बाद भी नहीं मिल रही सुविधाएं

शहरवासी सुविधाओं के लिए टैक्स देते हैं, लेकिन मूलभूत सुविधाओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। खुले हॉल से वाहन चालकों और बच्चों को खतरा बना हुआ है। कई बच्चे गिरकर चोटिल हो चुके हैं।
-जगदीश, ज्ञान नगर

मामला संज्ञान में नहीं था, जल्द समाधान होगा : मेयर

नगर निगम मेयर राजीव जैन ने कहा कि ज्ञान नगर और भीम नगर में गलियों के निर्माण के बाद सीवर और स्ट्रॉम वाटर हॉल खुले छोड़े जाने का मामला उनके संज्ञान में नहीं था। उन्होंने कहा कि गलियों के निर्माण के बाद हॉल खुले छोड़ना गलत है। अधिकारियों और ठेकेदार से जानकारी लेकर जल्द समस्या का समाधान कराया जाएगा, ताकि लोगों को परेशानी से राहत मिल सके।

भूमि विवाद में मेडिकल स्टोर पर हमला, पिता-पुत्र से मारपीट

- ईंट और डंडों से वार कर युवक को किया घायल, चेन छीनने और मोबाइल तोड़ने का आरोप

सोनीपत। गांव पाबसरा में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हिंसक हो गया। आरोप है कि एक पक्ष के लोगों ने मेडिकल स्टोर में घुसकर पिता-पुत्र के साथ मारपीट की। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित पक्ष ने हमलावरों पर सोने की चेन छीनने और मोबाइल फोन तोड़ने का आरोप भी लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव पाबसरा निवासी नौराज ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि नई डिस्पेंसरी के सामने उनके भतीजे प्रवीण की मेडिकल स्टोर की दुकान है।

उनका आरोप है कि प्रवीण विवादित जमीन पर निर्माण कार्य करवा रहा था, जिसका उन्होंने विरोध किया था। नौराज के अनुसार, जमीन का मामला उपायुक्त न्यायालय में विचाराधीन है और इसकी अगली सुनवाई 28 जुलाई को होनी है। शिकायत के अनुसार, देर रात नौराज दुकान पर मौजूद थे। इसी दौरान प्रवीण कथित रूप से दुकान पर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि उसने अपने पिता देशराज और भाई रोहित को भी मौके पर बुला लिया। शोर सुनकर नौराज की पत्नी और पुत्र रवि भी दुकान पर पहुंच गए। आरोप है कि प्रवीण ने ईंट से रवि के सिर पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

इसके बाद रोहित ने डंडे से भी हमला किया। नौराज ने आरोप लगाया कि तीनों ने मिलकर उनके और उनके बेटे के साथ मारपीट की तथा जान से मारने का प्रयास किया। उन्होंने झगड़े के दौरान सोने की चेन छीनने और मोबाइल फोन तोड़ने का भी आरोप लगाया है।

KIRORIMAL PUBLIC SCHOOL
Bahalgarh-Meerut Road, Khewra, Sonipat
CBSE Affiliated English Medium, Air Conditioned Sr. Sec. School
REQUIRES
PGT - Political Science
Physical Education
NTT, Mother Teacher
No bar on Salary for deserving & Experienced Candidates.
Interested Candidates may send their CV with photograph at jobskirorimal@gmail.com with in seven days.
FREE TRANSPORT FACILITY

बाइक सवार बदमाशों ने बुजुर्ग दंपति से 40 हजार रुपये से भरा बैग झपटा

गन्नौर। सूचना मिलने पर जांच करने पहुंची पुलिस व लोग।

गन्नौर। नगरपालिका रोड के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने दुकान बंद कर घर लौट रहे बुजुर्ग दंपति से 40 हजार रुपये, मोबाइल फोन और घर की चाबी से भरा बैग झपट लिया। पीड़ित ने मामले की शिकायत थाना गन्नौर में दी है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अशोक नगर निवासी सुभाषचंद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रेलवे रोड पर उनकी काला जनरल स्टोर के नाम से दुकान है। शुक्रवार रात करीब सवा नौ बजे वह अपनी पत्नी सरोज बाला के साथ दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। उनकी पत्नी के हाथ में एक थैला था, जिसमें 40 हजार रुपये, मोबाइल फोन और घर की चाबी रखी हुई थी। शिकायत के अनुसार, जब वे ढिंगड़ा मार्केट से होते हुए गन्नौर रोड की ओर जाने वाली गली में पहुंचे तो बाइक पर सवार दो युवक आए और उनकी पत्नी के हाथ से बैग छीन लिया।

- दुकान बंद कर घर लौट रहे थे दंपति मोबाइल और घर की चाबी भी ले गए आरोपी

इसके बाद आरोपी नगर पालिका रोड की ओर फरार हो गए। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

दुकान का ताला तोड़कर 1.50 रुपये लाख चोरी

सोनीपत। गांव लिवासपुर में चोरों ने किराना दुकान का ताला तोड़कर गल्ले में रखी करीब डेढ़ लाख रुपये की नकदी चोरी कर ली। सुबह घटना की जानकारी मिलने के बाद दुकान मालिक ने पुलिस को सूचना दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव लिवासपुर निवासी हवासिंह ने पुलिस को बताया कि वह रोजाना की तरह रात को अपनी किराना दुकान बंद कर घर चले गए थे। सुबह उनके किरायेदार लखन ने फोन कर दुकान के ताले टूटे होने की जानकारी दी। सूचना मिलते ही हवासिंह दुकान पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि दुकान के ताले टूटे हुए थे और दरवाजा खुला था। अंदर जाकर गल्ले की जांच करने पर उसमें रखी करीब डेढ़ लाख रुपये की नकदी गायब मिली। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ की। अधिकारियों के अनुसार, मामला दर्ज कर लिया गया है।

सीएलजी कमेटी की बैठक में तीन मामलों की सुनवाई, अगली तिथि तय

सोनीपत। पुलिस आयुक्त ममता सिंह और डीसीपी वेस्ट नरेंद्र कादियान के मार्गदर्शन में शनिवार को पुलिस कार्यालय में सीएलजी (कम्युनिटी लाइजन ग्रुप) की साप्ताहिक बैठक आयोजित की गई। बैठक का संचालन एसआई सुनील की उपस्थिति में किया गया। बैठक में कुल तीन मामलों की सुनवाई की गई। पहला मामला सेक्टर-23 निवासी महिला द्वारा पति, सास, ससुर व अन्य पर लगाए गए दहेज प्रताड़ना के आरोपों से संबंधित था। दूसरा मामला ऋषि कॉलोनी निवासी महिला द्वारा पति, देवर और ससुर के विरुद्ध दहेज प्रताड़ना की शिकायत का था, जबकि तीसरा मामला मंडोठी निवासी शिकायतकर्ता द्वारा गढ़ी सिसाना निवासी युवक पर लगाए गए छेड़छाड़ के आरोपों से जुड़ा था।

BITS
BEYOND INNOVATION
TOWARDS SUCCESS
BHARAT GROUP OF INSTITUTIONS, SONEPAT
ADMISSIONS OPEN
2026-27
Industry Ready Education
Practical Learning & Expert Faculty
PROGRAMMES OFFERED
Engineering
Pharmacy
Management
Nursing
Law
Scholarships Up to 100% Available
100% Placement Support
APPLY NOW
9053555741/42/43 | www.bits.edu.in
Sonepat-Gohana Highway, Near Mohana Police Station, Sonepat-131025 (Haryana)

राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल में अत्याधुनिक डिजिटल लैब का शुभारंभ

फ्रेंच लैंग्वेज लैब से वैश्विक शिक्षा की ओर बढ़ेंगे खेवड़ा के विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

जिले के विद्यार्थियों को अब वैश्विक भाषा शिक्षा का अवसर मिलेगा। खेवड़ा स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को अत्याधुनिक फ्रेंच लैंग्वेज लैब का शुभारंभ किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया ने विधिवत फीता काटकर लैब का उद्घाटन किया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को विदेशी भाषा में दक्ष बनाकर उच्च शिक्षा और अंतरराष्ट्रीय रोजगार के अवसरों के लिए तैयार करना है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत करने के साथ फ्रेंच भाषा में अपना परिचय और संवाद प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों की भाषा दक्षता और आत्मविश्वास की अतिथियों ने सराहना की। जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया ने कहा कि वर्तमान समय में विदेशी भाषाओं का ज्ञान विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए बेहद जरूरी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप इस तरह की आधुनिक लैंग्वेज लैब विद्यार्थियों को नई संभावनाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेश कुमार ने बताया कि फ्रेंच लैंग्वेज लैब में विद्यार्थियों को डिजिटल संसाधनों के माध्यम से भाषा सीखने का मौका मिलेगा।

सोनीपत। फ्रेंच लैंग्वेज लैब का शुभारंभ करते जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया।

मटिंडू के मॉडल स्कूल में शुरू हुआ फ्रेंच भाषा का कोर्स

खरखौदा। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मटिंडू ने एक और उपलब्धि अपने नाम की है। प्रदेश में 26 स्कूलों में फ्रेंच भाषा शिक्षण का शुभारंभ किया गया है, जिसमें मटिंडू स्कूल का नाम शामिल है। विद्यालय परिसर में फ्रेंच भाषा कार्यक्रम का शुभारंभ धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत शुरुआत की। इस अवसर पर एसएमसी के सम्मानित सदस्य, एनसीसी चीफ ऑफिसर नर सिंह, सुदामा, सरपंच प्रतिनिधि बलवान सिंह, डॉ. हरिदर्शन, ज्योति व अन्य मौजूद रहे।

पिछले कुछ वर्षों में भारत में व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) के प्रति लोगों का आकर्षण तेजी से बढ़ा है। छोटे शहरों और कस्बों के निवेशक भी अब म्यूचुअल फंड को बचत और निवेश का महत्वपूर्ण माध्यम मानने लगे हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म, आसान निवेश प्रक्रिया, वित्तीय जागरूकता और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न की संभावनाओं ने म्यूचुअल फंड उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। मिड और स्मॉल कैप फंडों में बढ़ती भागीदारी इसी बदलाव का परिणाम मानी जा रही है।

मिड और स्मॉल कैप फंडों पर निवेशकों का भरोसा कायम

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- *बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद बन रहे पहली पसंद*
- *दो वर्षों में करोड़ों नए निवेशक जुड़े, दीर्घकालिक रिटर्न से बढ़ा विश्वास*
- *विशेषज्ञों ने ऊंचे वैल्यूएशन के बीच सतर्क निवेश की दी सलाह*

शेयर बाजार में पिछले दो वर्षों के दौरान कई बार तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनाव, ब्याज दरों में बदलाव और घरेलू बाजार में समय-समय पर आई गिरावट के बावजूद भारतीय खुदरा निवेशकों का भरोसा मिड कैप और स्मॉल कैप म्यूचुअल फंडों पर लगातार मजबूत बना हुआ है। इसका सबसे बड़ा प्रमाण एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों का किया गया एक अहम विश्लेषण है। रिपोर्ट बताती है कि बाजार की अस्थिरता निवेशकों के उत्साह को कम नहीं कर सकी। इसके विपरीत, बड़ी संख्या में नए निवेशकों ने इन श्रेणियों में निवेश शुरू किया और पहले से निवेश कर रहे लोगों ने भी अपना निवेश जारी रखा। पोर्ट के अनुसार, जून 2024 से जून 2026 के बीच मिड कैप और स्मॉल कैप फंडों में खुदरा निवेशकों की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। जून 2024 में जहां मिड कैप फंडों के फोलियो की संख्या लगभग 1.53 करोड़ थी, वहीं जून 2026 तक यह बढ़कर 2.55 करोड़ हो गई। इसी अवधि में स्मॉल कैप फंडों के फोलियो 2.03 करोड़ से बढ़कर 2.87 करोड़ तक पहुंच गए। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि निवेशकों का रुझान केवल बड़े बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे बेहतर संभावनाओं वाली मध्यम और छोटी कंपनियों में भी निवेश के अवसर तलाश रहे हैं।

सभी ओपन-एंडेड इक्विटी फंड फोलियो का 32 प्रतिशत हिस्सा

आज मिड कैप और स्मॉल कैप फंड मिलकर देश के सभी ओपन-एंडेड इक्विटी म्यूचुअल फंड फोलियो का 32 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बन चुके हैं। यह हिस्सा लगातार बढ़ रहा है, जो बताता है कि भारतीय निवेशकों की सोच अब लंबी अवधि के निवेश और संपत्ति निर्माण की ओर तेजी से बदल रही है। इस बढ़ते भरोसे के पीछे सबसे बड़ा कारण इन श्रेणियों का मजबूत दीर्घकालिक प्रदर्शन है। 30 जून 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, मिड कैप फंडों ने पिछले तीन वर्षों में 18.76 प्रतिशत का चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) और पांच वर्षों में 16.33 प्रतिशत का सीएजीआर दिया है। वहीं स्मॉल कैप फंडों ने तीन वर्षों में 17.68 प्रतिशत तथा पांच वर्षों में 17.06 प्रतिशत का सीएजीआर रिटर्न निवेशकों को उपलब्ध कराया।

उतार-चढ़ाव की संभावना ज्यादा

यह समझना जरूरी है कि अधिक रिटर्न के साथ जोखिम भी अधिक होता है। मिड और स्मॉल कैप कंपनियों के शेयरों में बड़े उतार-चढ़ाव की संभावना रहती है। यही कारण है कि बाजार में गिरावट आने पर इन श्रेणियों में नुकसान भी अपेक्षाकृत अधिक हो सकता है। इसके बावजूद निवेशकों का विश्वास इसलिए बना हुआ है क्योंकि वे अब अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बजाय दीर्घकालिक निवेश रणनीति को प्राथमिकता दे रहे हैं। निवेशकों का यह भरोसा केवल फोलियो की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों में भी साफ दिखाई देता है। जून 2025 में मिड कैप फंडों का एयूएम 4.32 लाख करोड़ रुपये था, जो जून 2026 तक बढ़कर 5.06 लाख करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह स्मॉल कैप फंडों का एयूएम 3.55 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 4.30 लाख करोड़ तक पहुंच गया।

निवेशक सतर्क रहें

आईसीआरए एनालाइस्टिक ने निवेशकों को सतर्क रहने की भी सलाह दी है। संस्था का कहना है कि वर्तमान समय में मिड और स्मॉल कैप शेयरों के वैल्यूएशन अपेक्षाकृत ऊंचे स्तर पर हैं। यदि आने वाले समय में कंपनियों की आय (कॉरपोरेट अर्निंग्स) बाजार की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं बढ़ती है, तो इन श्रेणियों में करेक्शन देखने को मिल सकता है। ऐसे में निवेशकों को यह मानकर नहीं चलना चाहिए कि पिछले वर्षों जैसा रिटर्न भविष्य में भी निश्चित रूप से मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में इन फंडों का प्रदर्शन केवल वैल्यूएशन बढ़ने पर नहीं, बल्कि कंपनियों के वास्तविक कारोबार और मुनाफे में वृद्धि पर निर्भर करेगा।

क्या कहते हैं आंकड़े

वित्तीय सलाहकारों का सुझाव है कि मिड और स्मॉल कैप फंडों में निवेश हमेशा लंबी अवधि के लक्ष्य को ध्यान में रखकर करना चाहिए। एकमुश्त बड़ी राशि लगाने के बजाय नियमित एसआईपी के माध्यम से निवेश करना अपेक्षाकृत सुरक्षित रणनीति मानी जाती है। साथ ही निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप फंडों के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए, ताकि जोखिम और रिटर्न दोनों का बेहतर प्रबंधन किया जा सके।

कुल मिलाकर, एएमएफआई और आईसीआरए एनालाइस्टिक के ताजा आंकड़े यह संकेत देते हैं कि भारतीय खुदरा निवेशकों का भरोसा मिड और स्मॉल कैप फंडों पर पहले से अधिक मजबूत हुआ है। बेहतर दीर्घकालिक प्रदर्शन और नियमित निवेश ने इन श्रेणियों को लोकप्रिय बनाया है। हालांकि, ऊंचे वैल्यूएशन और संभावित बाजार उतार-चढ़ाव को देखते हुए निवेशकों को संयम, विविधीकरण और लंबी अवधि की रणनीति अपनाकर ही निवेश करना चाहिए। यही तरीका भविष्य में बेहतर और टिकाऊ संपत्ति निर्माण का आधार बन सकता है।

मृत्यु के बाद क्लेम होगा आसान

नॉमिनेशन व वसीयत अब भी जरूरी

सेबी ने एएमएफआई के मानकों में बदलाव कर दी बड़ी राहत | अब परिवारों को आर्थिक और मानसिक परेशानियां नहीं झेलनी होंगी | रिकॉर्ड में नाम की स्पेलिंग में मामूली अंतर होने से नहीं होगी दिक्कत

जानकारी
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक महत्वपूर्ण और निवेशक हितैषी कदम उठाया है। निवेशक की मृत्यु के बाद उसके परिवार या कानूनी उत्तराधिकारियों को म्यूचुअल फंड यूनिट्स का ट्रांसमिशन (हस्तांतरण) कराने में अक्सर कई तरह की तकनीकी और दस्तावेजी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। पते में अंतर, नाम की स्पेलिंग अलग होना, हस्ताक्षर मेल न खाना या पुराने रिकॉर्ड जैसी छोटी-छोटी वजहों से क्लेम महीनों तक लंबित रहता था। कई मामलों में परिवारों को आर्थिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानियां झेलनी पड़ती थीं। इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सेबी ने एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के मानकों में बदलाव कर ट्रांसमिशन प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और निवेशक-अनुकूल बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। नए दिशा-निर्देशों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी निवेशक के निधन के बाद उसके परिवार को तकनीकी कारणों से अनावश्यक परेशान न होना पड़े।

पते में अंतर अब नहीं बनेगा बड़ी बाधा

पहले यदि म्यूचुअल फंड फोलियो में दर्ज पता और क्लेम के समय दिए गए दस्तावेजों का पता अलग होता था, तो एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) क्लेम रोक देती थी। अब वैध और अद्यतन दस्तावेजों के आधार पर नया पता स्वीकार किया जा सकेगा। इससे पुराने रिकॉर्ड के कारण होने वाली देरी काफी हद तक समाप्त होगी।

छोटी गलतियां भी होंगी स्वीकार

अक्सर पैन कार्ड, आधार, बैंक खाते और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में नाम की स्पेलिंग में मामूली अंतर होने से ट्रांसमिशन अटक जाता था। अब आधार, पासपोर्ट जैसे सेल्फ-सर्टिफाइड दस्तावेजों के आधार पर ऐसे मामलों का समाधान किया जा सकेगा। हस्ताक्षर मेल न खाने की स्थिति में भी रजिस्ट्रार एंड ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) निर्धारित प्रक्रिया के तहत समाधान करेंगे।

सभी एएमसी में एक जैसी प्रक्रिया

सेबी ने एएमएफआई को निर्देश दिया है कि सभी एसेट मैनेजमेंट कंपनियों और संबंधित कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाए, ताकि पूरे देश में ट्रांसमिशन प्रक्रिया एक समान तरीके से लागू हो। इससे निवेशकों को अलग-अलग फंड हाउस में अलग नियमों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

कौन क्लेम कर सकता है?

- क्लेम की प्रक्रिया इस बात पर निर्भर करती है कि निवेश किस प्रकार किया गया था।
- यदि निवेश संयुक्त नाम से है और एक निवेशक का निधन हो जाता है, तो जीवित धारक यूनिट्स अपने नाम कराने के लिए आवेदन कर सकता है।
- यदि निवेश एकल नाम से है और नॉमिनी दर्ज है, तो नॉमिनी ट्रांसमिशन के लिए आवेदन कर सकता है।
- यदि नॉमिनी नहीं है, तो कानूनी उत्तराधिकारी को उत्तराधिकार प्रमाणपत्र, लीगल हेयरशिप सर्टिफिकेट, वसीयत या अन्य आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर दावा करना होगा। ऐसे मामलों में प्रक्रिया अपेक्षाकृत लंबी हो सकती है।

किन दस्तावेजों की होगी जरूरत?

■ ट्रांसमिशन रिक्वेस्ट फॉर्म ■ निवेशक का मृत्यु प्रमाणपत्र ■ पैन कार्ड ■ केवाईसी दस्तावेज ■ बैंक खाते का प्रमाण ■ यदि नॉमिनी नहीं है तो सक्सेशन सर्टिफिकेट, लीगल हेयरशिप सर्टिफिकेट, वसीयत या अन्य कानूनी दस्तावेज भी प्रस्तुत करने पड़ सकते हैं।

किन कारणों से अटकेगा क्लेम?

- नॉमिनी का नाम दर्ज न होना।
- केवाईसी अधूरा या पुराना होना।
- बैंक, पैन और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में अलग-अलग जानकारी होना।
- कानूनी उत्तराधिकारियों के बीच विवाद।
- अलग-अलग एएमसी में कई फोलियो होने से दस्तावेजी प्रक्रिया जटिल होना।

आज ही करें ये चार काम

- पहला, हर म्यूचुअल फंड फोलियो में नॉमिनी अवश्य दर्ज करें और समय-समय पर उसकी समीक्षा करें।
- दूसरा, पैन, आधार, खाते और म्यूचुअल फंड रिकॉर्ड में नाम, जन्मतिथि, पता और अन्य विवरण समान रखें।
- तीसरा, यदि आपका निवेश बड़ा है तो केवल नॉमिनेशन पर निर्भर न रहें। एक विधिवत वसीयत तैयार करें। यह संपत्ति के अंतिम उत्तराधिकार को लेकर भविष्य के विवादों से बचाती है।
- चौथा, अपने परिवार को यह जानकारी अवश्य दें कि आपने किन-किन म्यूचुअल फंडों में निवेश किया है। कई बार परिवार को निवेश की जानकारी ही नहीं होती, जिससे वर्षों तक रकम बिना क्लेम के पड़ी रहती है।

नॉमिनी व उत्तराधिकारी में अंतर समझें

कई निवेशक यह मान लेते हैं कि नॉमिनी निवेश का अंतिम मालिक होता है, जबकि ऐसा हमेशा नहीं होता। नॉमिनी निवेश की राशि प्राप्त करने का अधिकृत व्यक्ति होता है। अंतिम स्वामित्व उत्तराधिकार कानून या वैध वसीयत के अनुसार तय होता है। बड़े निवेश वाले परिवारों के लिए एस्टेट प्लानिंग-वसीयत तैयार करना महत्वपूर्ण है।

निवेशक हित में बड़ा सुधार

सेबी का यह कदम ऐसे समय आया है, जब देश में म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या लगातार बढ़ रही। करोड़ों निवेशक एसआईपी व अन्य योजनाओं के माध्यम से लंबी अवधि के लिए निवेश कर रहे हैं। ऐसे में निवेशक की मृत्यु के बाद परिवार को सरल- समयबद्ध तरीके से राशि मिलना वित्तीय व्यवस्था में विश्वास बढ़ाने के लिए आवश्यक है। सेबी के नए दिशा-निर्देश न केवल ट्रांसमिशन प्रक्रिया को तेज-पारदर्शी बनाएंगे, बल्कि निवेशकों में भरोसा मजबूत करेंगे कि उनकी मेहनत की कमाई जरूरत पड़ने पर बिना कानूनी बाधाओं के परिवार तक पहुंच सकेगी।

जानें जोखिम पोर्टफोलियो और टैक्स से जुड़े जरूरी नियम

सिर्फ रिटर्न नहीं, इन पैमानों पर चुनें सही म्यूचुअल फंड

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड आज करोड़ों भारतीयों की निवेश यात्रा का अहम हिस्सा बन चुके हैं। सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए हर महीने छोटी-छोटी रकम निवेश कर लंबी अवधि में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है। लेकिन बाजार में हजारों म्यूचुअल फंड योजनाएं उपलब्ध होने के कारण सबसे बड़ी चुनौती सही फंड का चुनाव करना है। अक्सर निवेशक पिछले एक साल का रिटर्न या पांच स्टार रेटिंग देखकर फैसला ले लेते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यही सबसे बड़ी भूल साबित हो सकती है। दरअसल, किसी भी म्यूचुअल फंड का मूल्यांकन केवल रिटर्न के आधार पर नहीं किया जा सकता। फंड का जोखिम, खर्च, पोर्टफोलियो, फंड मैनेजर और निवेश का उद्देश्य जैसे कई पहलू भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। यदि दो फंडों में से किसी एक को चुनना है, तो कुछ बुनियादी मानकों को समझना बेहद जरूरी है।

सबसे पहले एक जैसी श्रेणी के फंड की तुलना करें

किसी भी तुलना की शुरुआत सही आधार से होनी चाहिए। यदि एक फंड लार्ज कैप है और दूसरा मिड कैप, तो दोनों की तुलना करना उचित नहीं होगा। दोनों का निवेश उद्देश्य, जोखिम और संभावित रिटर्न अलग-अलग होते हैं। यदि आपका लक्ष्य स्थिरता और अपेक्षाकृत कम जोखिम है, तो लार्ज कैप फंडों की तुलना करें। यदि अधिक जोखिम लेकर लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न चाहते हैं, तो मिड कैप- स्मॉल कैप श्रेणी के भीतर विकल्प चुनें।

डायरेक्ट-रेगुलर प्लान में अंतर

हर म्यूचुअल फंड में निवेश के दो विकल्प होते हैं—डायरेक्ट और रेगुलर। डायरेक्ट प्लान में निवेशक सीधे एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) के माध्यम से निवेश करता है। इसमें किसी एजेंट का कमीशन नहीं होता, इसलिए एक्सपेंस रेशियो कम रहता है और लंबे समय में बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना रहती है। रेगुलर प्लान उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हो सकता है जिन्हें वित्तीय सलाहकार की सहायता की जरूरत होती है।

केवल रिटर्न नहीं, एक्सपेंस रेशियो भी देखें

दो फंड यदि लगभग समान रिटर्न दे रहे हैं, तो कम एक्सपेंस रेशियो वाला फंड बेहतर माना जाता है। एक्सपेंस रेशियो वह वार्षिक शुल्क है जो एएमसी आपके निवेश के प्रबंधन के बदले लेती है। देखने में यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन 15-20 वर्षों की लंबी अवधि में यही अंतर लाखों रुपये के अतिरिक्त रिटर्न में बदल सकता है।

दोनों फंड किन कंपनियों में निवेश कर रहे हैं

कई निवेशक अलग-अलग फंड खरीद लेते हैं, लेकिन बाद में पता चलता है कि दोनों की शीर्ष 10 होल्डिंग लगभग एक जैसी हैं। निवेश से पहले दोनों फंडों की प्रमुख होल्डिंग और सेक्टर एलोकेशन अवश्य देखें। जोखिम के मुकाबले रिटर्न का मूल्यांकन करें। हर अधिक रिटर्न देने वाला फंड बेहतर नहीं होता।

रिश्ते में प्यार के साथ पैसों की समझ भी जरूरी

पति-पत्नी की कमाई में बड़ा-अंतर हो तो कैसे बनाएं फाइनेंशियल प्लान

बिजनेस डेस्क। शादी केवल दो लोगों का भावनात्मक रिश्ता नहीं, बल्कि दो आर्थिक जिम्मेदारियों का भी मिलन है। आज के दौर में बड़ी संख्या में पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं, लेकिन अक्सर उनकी आय समान नहीं होती। किसी की सैलरी अधिक होती है तो कोई अपेक्षाकृत कम कमाता है। ऐसे में बड़ा सवाल यह होता है कि घर का खर्च कैसे बांटा जाए, ताकि न किसी एक पर आर्थिक बोझ बढ़े और न रिश्ते में असंतुलन पैदा हो। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि सफल वैवाहिक जीवन की नींव केवल भरोसे और प्यार पर नहीं, बल्कि पारदर्शी वित्तीय योजना पर भी टिकी होती है। पैसों को लेकर स्पष्ट समझ और नियमित संवाद भविष्य के विवादों से बचाता है। दोनों को आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस कराता है।

हर परिवार के लिए एक जैसा फॉर्मूला नहीं

फाइनेंशियल प्लानिंग का कोई सार्वभौमिक नियम नहीं होता। हर परिवार की आय, जिम्मेदारियां, जीवनशैली और भविष्य के लक्ष्य अलग-अलग होते हैं। किसी दूसरे का मॉडल अपनाने के बजाय अपनी परिस्थितियों के अनुसार वित्तीय व्यवस्था बनाना समझदारी है। महत्वपूर्ण बात यह है कि कोई भी निर्णय दोनों की सहमति और सुविधा से लिया जाए। आर्थिक मामलों में पारदर्शिता रिश्ते को मजबूत बनाती है।

क्या आधा-आधा खर्च बांटना सही है?

कई दंपती यह मान लेते हैं कि सभी खर्च 50-50 प्रतिशत बांट देना बराबरी का सबसे अच्छा तरीका है। लेकिन यह हर स्थिति में उचित नहीं होता। मान लीजिए पति की मासिक आय 1.50 लाख और पत्नी 50,000 रुपये कमाती हैं। यदि दोनों 40-40 हजार घर के खर्च में दें, तो पत्नी की आय का बड़ा हिस्सा खर्च हो जाएगा, जबकि पति के पास बचत और निवेश के लिए पर्याप्त राशि बची रहेगी। ऐसी व्यवस्था आर्थिक रूप से संतुलित नहीं मानी जाती क्योंकि इससे कम आय वाले साथी पर अपेक्षाकृत अधिक दबाव पड़ता है।

आय के अनुपात में खर्च बांटना बेहतर विकल्प

वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार यदि पति-पत्नी की आय में बड़ा अंतर है तो खर्च भी आय के अनुपात में बांटना अधिक व्यावहारिक होता है। उदाहरण के लिए यदि एक साथी कुल आय का 70 प्रतिशत कमाता है और दूसरा 30 प्रतिशत, तो साझा खर्चों में योगदान भी लगभग उसी अनुपात में रखा जा सकता है। इस व्यवस्था से दोनों के पास बचत, निवेश और व्यक्तिगत जरूरतों के लिए पर्याप्त धन बचता है।

जॉइंट अकाउंट हो सकता है अच्छा समाधान

- आज कई कामकाजी दंपती साझा खर्चों के लिए जॉइंट बैंक अकाउंट का विकल्प अपना रहे हैं।
- इस व्यवस्था में दोनों अपनी आय का एक तय हिस्सा संयुक्त खाते में जमा करते हैं। इसी खाते से घर का किराया, ईएमआई, राशन, बिजली-पानी, बच्चों की फीस और अन्य साझा खर्च पूरे किए जाते हैं। वहीं शेष राशि दोनों अपने व्यक्तिगत खातों में रखते हैं, जिससे उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता भी मिलती है। इससे न तो हर छोटे खर्च का हिसाब देना पड़ता है और न ही वित्तीय तनाव बढ़ता है।

बचत और निवेश की भी संयुक्त रणनीति बनाएं

घर का बजट केवल खर्च तक सीमित नहीं होना चाहिए। पति-पत्नी को मिलकर भविष्य के वित्तीय लक्ष्य तय करने चाहिए। इनमें आपातकालीन फंड, बच्चों की शिक्षा, घर खरीदने, रिटायरमेंट फंड, स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा, म्यूचुअल फंड एसआईपी और अन्य निवेश शामिल हो सकते हैं। दोनों नियमित निवेश करते हैं, तो आर्थिक सुरक्षा मजबूत होती है।

पैसों पर खुलकर बात करना जरूरी

भारतीय परिवारों में अक्सर पैसों को लेकर खुलकर चर्चा नहीं होती। यही भविष्य में गलतफहमियों और विवादों का कारण बन सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि पति-पत्नी को अपनी आय, खर्च, कर्ज, निवेश और भविष्य की योजनाओं पर नियमित रूप से बातचीत करनी चाहिए।

इन गलतियों से बचें

- एक-दूसरे से आय या कर्ज की जानकारी छिपाना।
- बिना चर्चा के बड़े वित्तीय फैसले लेना।
- केवल एक व्यक्ति पर पूरे परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी डाल देना।
- आपातकालीन फंड न बनाना।
- बीमा और निवेश को नजरअंदाज करना।
- हर खर्च का अत्यधिक हिसाब से तनाव पैदा करना।

एसआईपी और एसडब्ल्यूपी की स्मार्ट रणनीति से रिटायरमेंट के बाद मिल सकती है नियमित आय

1,000 रुपये की एसआईपी से बन सकता 1 करोड़ का रिटायरमेंट फंड

हर वर्ष 10% बढ़ाएं एसआईपी कंपाउंडिंग की ताकत से तैयार होगा बड़ा कॉर्पस

बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट के लिए बड़ा फंड बनाने के लिए हमेशा मोटी सैलरी होना जरूरी नहीं है। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि यदि निवेशक कम उम्र में नियमित निवेश शुरू करे, हर साल निवेश बढ़ाता रहे और लंबी अवधि तक अनुशासन बनाए रखे, तो छोटी-सी एसआईपी भी करोड़ों रुपये का रिटायरमेंट फंड तैयार कर सकती है। इसके बाद उसी फंड से सिस्टेमैटिक विदड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) के जरिए हर महीने नियमित आय भी प्राप्त की जा सकती है। दरअसल, एसआईपी और एसडब्ल्यूपी एक-दूसरे के पूरक हैं। जहां एसआईपी नौकरी के दौरान धीरे-धीरे संपत्ति बनाने का माध्यम है, वहीं एसडब्ल्यूपी रिटायरमेंट के बाद उसी संपत्ति को नियमित मासिक आय में बदलने का तरीका है। यदि दोनों का सही तरीके से उपयोग किया जाए तो व्यक्ति बिना आर्थिक तनाव के रिटायरमेंट का जीवन बिता सकता है।

कैसे काम करती है एसआईपी+ एसडब्ल्यूपी रणनीति

मान लीजिए कोई व्यक्ति 28 वर्ष की उम्र में नौकरी शुरू करता है और हर महीने केवल 1,000 की एसआईपी शुरू करता है। वह अपनी आय बढ़ने के साथ हर साल एसआईपी की राशि में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी करता है और 60 वर्ष की उम्र तक लगातार निवेश करता रहता है।

इस उदाहरण से समझें

- निवेश शुरू करने की आयु : 28 वर्ष
- शुरुआती एसआईपी : 1,000 प्रति माह
- हर साल एसआईपी में बढ़ोतरी : 10%
- अनुमानित वार्षिक रिटर्न : 12%
- निवेश अवधि : 32 वर्ष

यह भी जानें

- कुल निवेश : 24.13 लाख रुपये
- अनुमानित फंड : 1.05 करोड़ रुपये
- कुल लाभ : लगभग 80.98 लाख रुपये
- यानी निवेशक ने करीब 24 लाख रुपये जमा किए, लेकिन कंपाउंडिंग और नियमित निवेश बढ़ाने की वजह से रिटायरमेंट तक उसका फंड एक करोड़ रुपये से अधिक हो गया।

असली ताकत है स्टेप अप एसआईपी

इस उदाहरण की सबसे महत्वपूर्ण बात 1,000 रुपये की शुरुआती एसआईपी नहीं, बल्कि हर साल उसमें 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। अधिकांश लोगों की आय समय के साथ बढ़ती है। यदि वे हर साल अपनी एसआईपी भी बढ़ाते रहें तो बिना अतिरिक्त आर्थिक दबाव के बड़ी पूंजी तैयार की जा सकती है। यदि एसआईपी की राशि पूरे 32 वर्षों तक 1,000 रुपये ही रखी जाए तो एक करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल करना बेहद मुश्किल होगा। इसलिए हर वेतन वृद्धि के साथ एसआईपी बढ़ाने की आदत लंबी अवधि में लाखों रुपये का अतिरिक्त लाभ दिला सकती है।

क्या 12% रिटर्न की उम्मीद वाजिब है?

- इस उदाहरण में 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न केवल गणना के लिए लिया गया है। यह कोई गारंटीड रिटर्न नहीं है।
- हालांकि पिछले कई वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि फ्लेक्सी कैप, मल्टी कैप, लार्ज एंड मिडकैप और कई इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने लंबी अवधि में लगभग इसी स्तर या इससे अधिक का औसत रिटर्न दिया है। हालांकि बाजार जोखिम हमेशा बना रहता है और किसी भी वर्ष रिटर्न कम या ज्यादा हो सकता है।

रिटायरमेंट बाद कैसे मिलेगी हर माह आय

रिटायरमेंट के बाद सबसे बड़ी चुनौती होती है नियमित आय का स्रोत बनाए रखना। यही काम एसडब्ल्यूपी करता है। मान लीजिए रिटायरमेंट के समय निवेशक के पास 1.50 करोड़ रुपये का फंड है और वह इसे किसी मीडियम ड्यूरेशन डेट फंड या कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड में निवेश करता है।

यदि निम्नलिखित मान्यताएं ली जाएं

- निवेश राशि : 1.50 करोड़ रुपये
- अनुमानित वार्षिक रिटर्न : 6%
- मासिक निकासी : 1 लाख
- निकासी अवधि : 12 वर्ष
- इस अवधि में कुल निकासी : 1.44 करोड़ रुपये
- निकासी के दौरान अर्जित लाभ: लगभग 43.13 लाख रुपये
- 12 वर्ष बाद बची राशि : लगभग 4.13 लाख रुपये
- इस तरह निवेशक पूरे 12 वर्षों तक हर महीने 1 लाख प्राप्त कर सकता है, जबकि शेष राशि निवेशित रहकर रिटर्न भी अर्जित करती रहती है।

एसडब्ल्यूपी क्यों है बेहतर विकल्प

यदि रिटायरमेंट के समय पूरी राशि एक साथ निकाल ली जाए तो उसके जल्दी खत्म होने का खतरा रहता है। इसके विपरीत एसडब्ल्यूपी में केवल जरूरत के अनुसार हर महीने निश्चित राशि निकाली जाती है और बाकी पैसा निवेशित रहता है। इससे फंड अधिक समय तक चलता है और नियमित आय भी मिलती रहती है।

विशेषज्ञों के अनुसार एसडब्ल्यूपी पारंपरिक पेंशन की तरह नियमित नकदी प्रवाह उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

किन बातों का रखें ध्यान

- इक्विटी में 12% और डेट फंड में 6% रिटर्न की कोई गारंटी नहीं होती।
- रिटायरमेंट के नजदीक आते समय पोर्टफोलियो में जोखिम धीरे-धीरे कम करना चाहिए।
- महंगाई को ध्यान में रखते हुए रिटायरमेंट फंड का लक्ष्य तय करें।
- एसडब्ल्यूपी की मासिक राशि अपने खर्च और उपलब्ध कॉर्पस के अनुसार निर्धारित करें।
- समय-समय पर निवेश की समीक्षा करते रहें।

ऐसे समझें पूरा गणित

एसआईपी चरण

●शुरुआत : 28 वर्ष की आयु ●मासिक एसआईपी : 1,000 रुपये ●हर साल बढ़ोतरी : 10% ●अवधि : 32 वर्ष ●अनुमानित रिटर्न : 12% ●कुल निवेश : 24.13 लाख रुपये ●अनुमानित फंड : 1.05 करोड़ रुपये

एसडब्ल्यूपी चरण

● शुरुआती फंड : 1.50 करोड़ रुपये ● अनुमानित रिटर्न : 6% ●मासिक निकासी : 1 लाख रुपये ●अवधि : 12 वर्ष ●कुल निकासी : 1.44 करोड़ रुपये

खबर संक्षेप

सोनीपत की बदहाल जनसुविधाओं पर संघ ने जताई चिंता

सोनीपत। मानवधिकार संरक्षण संघ की बैठक में शहर की बदहाल जनसुविधाओं, प्रशासनिक लापरवाही और नागरिक समस्याओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष जयवीर गहलावत ने की। इसमें राष्ट्रीय संरक्षक डॉ. पूरणमल गौड़, राष्ट्रीय सलाहकार डॉ. धर्मवीर मलिक , दिलबाग मोरवाल, विजय गौतम, पहलवान हवा सिंह, रामप्रकाश हुड्डा, श्रीभगवान गुप्ता, डॉ. ताराचंद राणा, डॉ. सुभाष सिसोदिया, संजय मकड़, जगबीर सिंह मलिक, प्रवीन वर्मा और अधिवक्ता अजय गर्ग सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। बैठक में वार्ड-10, नरेंद्र नगर, रूप नगर, दहिया कॉलोनी सहित कई क्षेत्रों में जलभराव, जाम सीवर, टूटी सड़कें, दूषित पेयजल, बिजली व्यवस्था, नागरिक अस्पताल की अव्यवस्थाओं और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। सदस्यों ने ओल्ड डीसी रोड सहित कई मार्गों की मरम्मत, दिशा-सूचक बोर्ड लगाने और अस्पताल में डॉक्टरों व दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की।

कारगिल विजय दिवस पर देशभक्ति कविता पाठ प्रतियोगिता करवाई

एनसीसी कैडेट्स ने वीर शहीदों को काव्यांजलि अर्पित की

सोनीपत। टीका राम गर्ल्स कॉलेज में प्रतिभागी छात्राओं के साथ स्टाफ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

टीका राम गर्ल्स कॉलेज की एनसीसी इकाई द्वारा कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार को देशभक्ति हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में एनसीसी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए देशभक्ति से ओतप्रोत कविताओं का पाठ किया और कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यनिष्ठा और सैनिकों के बलिदान के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या प्रो. (डॉ.) उषा दहिया ने की। उन्होंने छात्राओं को देशसेवा के लिए प्रेरित करते हुए विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन एनसीसी की सीटीओ डॉ. शीतल ने किया। इस अवसर पर डॉ. आशा रानी, दीपशिखा सहित महाविद्यालय का शिक्षण स्टाफ और छात्राएं भी मौजूद रहीं।

जीवीएम गर्ल्स कॉलेज में श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाया कारगिल विजय दिवस

सोनीपत। जीवीएम गर्ल्स कॉलेज की एनसीसी इकाई द्वारा शनिवार को कारगिल विजय दिवस श्रद्धा, सम्मान और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या डॉ. मंजुला स्पाह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। संस्था के प्रधान डॉ. ओपी परूथी ने भी शहीदों को नमन किया। प्राचार्या डॉ. मंजुला स्पाह ने कहा कि कारगिल विजय दिवस देश के वीर सैनिकों की शौर्यगाथा और सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने छात्राओं से अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए देशसेवा के लिए सदैव तैयार रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट्स ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए तथा कारगिल विजय दिवस पर आधारित पोस्टरों का प्रदर्शन किया। देशभक्ति नारों के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम और सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना को प्रबल किया गया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर कमलेश, रोहिणी, वंदना, सुमन, डॉ. निर्मल पूथी, अर्चना, डॉ. अनीता, डॉ. अन्नू, एनसीसी की एएनओ लेफ्टिनेंट प्रियंका सहित शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ मौजूद रहा।

विद्यार्थियों ने शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

सोनीपत। हैप्पी चाइल्ड सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में कक्षा छह से आठवीं के विद्यार्थियों ने भावपूर्ण विशेष असेंबली का आयोजन कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में स्कूल के चेयरमैन नरेंद्र बालियान, प्रिंसिपल सुदेश बाल्याण और उप-प्रधानाचार्या पूजा राणा मौजूद रहीं। असेंबली का संचालन और संयोजन शशि गाबा के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में कक्षा आठवीं की छात्रा रिद्धि ने सैनिकों के त्याग और राष्ट्रप्रेम पर प्रभावशाली भाषण दिया, जबकि मेघना ने देशभक्ति कविता प्रस्तुत की। इसके बाद आठवीं फाउंडेशन सेक्शन के विद्यार्थियों ने शहीद सैनिक के पार्थिव शरीर के घर पहुंचने की मार्मिक घटना पर आधारित नाटक प्रस्तुत किया, जिसने सभी को भावुक कर दिया। हिमेश और खुशबू ने मंच संचालन किया। चेयरमैन नरेंद्र बालियान और प्रिंसिपल सुदेश बाल्याण ने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में राष्ट्रभक्ति, जिम्मेदारी और वीर सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करते हैं।

सेवा प्रकल्प के अवसर पर बुजुर्गों के साथ क्लब के सदस्य।

वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को दैनिक उपयोग का सामान व बर्तन किए भेंट

गन्नौर। लायंस क्लब गन्नौर गौरव द्वारा शनिवार को लल्हेड़ी रोड स्थित वृद्धाश्रम में सेवा प्रकल्प का आयोजन किया। इस दौरान क्लब द्वारा आश्रम में रह रहे बुजुर्गों को दैनिक उपयोग का आवश्यक सामान और बर्तनों के सेट भेंट किए गए। अध्यक्ष विक्रांत हांडा ने कहा कि वरिष्ठजनों की सेवा करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। क्लब भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्यों के माध्यम से मानवता की सेवा के संकल्प को आगे बढ़ाता रहेगा। कार्यक्रम के दौरान क्लब के सदस्यों ने बुजुर्गों के साथ समय बिताकर उनका हालचाल भी जाना गया तथा माज में सेवा और सम्मान का संदेश दिया। इस अवसर पर हरिश वधवा, शालू वधवा, भावना जग्गा, चारू चांदना, पंकज खन्ना, तरुण चुघ, प्रवेश मदान और अंकित मल्होत्रा सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

उमेदगढ़ में 93 लाख से बिछेगी 3 किमी पेयजल पाइपलाइन, विधायक ने परियोजना का किया शुभारंभ

गन्नौर। गांव उमेदगढ़ में हर घर तक स्वच्छ पेजयल पहुंचाने के लिए करीब 93 लाख की लागत से लगभग 3 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू हो गया है। विधायक देवेंद्र कादियान ने नारियल फोड़कर परियोजना का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा होने पर ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। इसके साथ ही गांव में पीडब्ल्यूडी रोड सोसायटी से पावर हाउस तक गंदे पानी की निकासी के लिए करीब 18 लाख रुपये की लागत से नाले का निर्माण भी कराया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने विधायक का फूलमालाओं से स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विधायक कादियान ने कहा कि विस चुनाव के दौरान क्षेत्र के विकास को लेकर किए गए वादों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। उनका लक्ष्य हलके के सभी गांवों में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना और समान विकास सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर पब्लिक हेल्थ जेई मंजीत, पंचायती राज विभाग से जेई प्रिंस, सरपंच टिंकू, ब्लॉक अध्यक्ष अनिल कुमार, रामकिशन सैनी, अनुज त्यागी, डा. करतार, दिनेश, बंटी पंच, महेश त्यागी सरपंच घसौली, प्रमोद ढाका सरपंच सनपेड़ा, बिजेंद्र, इकबाल, कलीराम आदि मौजूद रहे।

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान ने नारियल फोड़कर परियोजना का शुभारंभ करते हुए ।

श्रद्धा एवं विधि-विधान के साथ चीनी मिल में रोलर पूजन

गोहाना। आगामी पेराई सत्र 2026-27 के सफल संचालन की मंगलकामना के साथ शनिवार को गांव आहुलाना स्थित चौ. देवीलाल सहकारी चीनी मिल में रोलर पूजन का आयोजन किया गया। रोलर पूजन पारंपरिक विधि-विधान से हुआ। मिल की प्रबंध निदेशक अंकिता वर्मा ने वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ विधिवत पूजन किया तथा भगवान से आगामी पेराई सत्र के सुरक्षित, सुचारु, सफल संचालन, मिल की निरंतर प्रगति, कर्मचारियों के उत्तम स्वास्थ्य एवं कल्याण, गन्ना उत्पादक किसानों की समृद्धि तथा आगामी पेराई सत्र के सफल एवं रिकॉर्ड उत्पादन के लिए सामूहिक रूप से मंगलकामनाएं की गईं। कार्यक्रम में मिल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूर्ण श्रद्धा एवं उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए सफल पेराई सत्र के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। रोलर पूजन के साथ ही मिल प्रशासन ने आगामी पेराई सत्र की तैयारियों को अंतिम रूप देने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर मिल के लेखा अधिकारी जितेंद्र शर्मा, उप मुख्य अभियंता अनिल चौहान, मुख्य रसायनविद देवेंद्र दहिया, उप मुख्य रसायनविद विभाष गुप्ता, कोजन इंजीनियर एमएस पोखरिया, चीफ कैमिस्ट विनय, चीनी विक्रेता अधिकारी धनीराम शर्मा, क्रय अधिकारी संदीप नरवाल व श्रम कल्याण अधिकारी अनिल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

जिला स्कूल गेम्स कराटे चैंपियनशिप में प्रताप स्कूल के खिलाड़ियों ने जीते 17 पदक

खरखौदा। गोहाना में आयोजित जिला स्कूल गेम्स कराटे चैंपियनशिप में प्रताप सिंह मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खरखौदा के खिलाड़ियों ने 6 स्वर्ण, 7 रजत एवं 4 कांस्य पदक सहित 17 पदक जीतकर विद्यालय, अभिभावकों एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया। विद्यालय पहुंचने पर सभी पदक विजेता खिलाड़ियों का पुष्पमालाओं एवं जोरदार तालियों के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर द्रोणाचार्य अवार्डी एवं स्पोर्ट्स डायरेक्टर ओम प्रकाश दहिया, संस्थापक सत प्रकाश नंबरदार, प्रधानाचार्या दया दहिया, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया तथा कराटे कोच जगमेंद्र पंचाल ने खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शुभम (अंडर-19, 74–78 किग्रा), जयेश (अंडर-17, 58–62 किग्रा),देवयांश (अंडर-17, 70–74 किग्रा),हर्षित (अंडर-17, 74–78 किग्रा), कार्तिक धमिया (अंडर-14, +60 किग्रा) व तान्या (अंडर-19 गर्ल्स, 44–48 किग्रा) ने स्वर्ण पदक, शिवम डबास (अंडर-19, 58–62 किग्रा),दीपांशु शर्मा (अंडर-19, 62–66 किग्रा) ,कार्तिक (अंडर-17, 54–58 किग्रा),आशीष सैनी (अंडर-14, 30–35 किग्रा),समीक्षा मान (अंडर-14, 35–40 किग्रा), आशीष मलिक (अंडर-14, 50–55 किग्रा) व हर्ष (अंडर-14, 55–60 किग्रा) ने रजत, सौरभ (अंडर-17, -35 किग्रा), प्रतीक (अंडर-17, 70–74 किग्रा), दक्ष (अंडर-14, 20–25 किग्रा), अमोल खटाना (अंडर-14, 45–50 किग्रा) ने कांस्य पदक जीता।

जिला तीरंदाजी में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

सोनीपत। श्रीजी इंटरनेशनल स्कूल में स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में जिलेभर के 80 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लेकर शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 वर्गों में विभिन्न राउंड आयोजित किए गए। इंडियन राउंड में विपुल, चिराग और धैर्य, रिकर्व राउंड में निष्ठान, उदित और कार्तिक तथा कम्पाउंड राउंड में दर्शित, जय और हितेश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता के लिए किया गया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन, अनुशासित संचालन और बेहतर व्यवस्थाओं की प्रतिभागियों, अभिभावकों व दर्शकों ने सराहना की। विद्यालय के निदेशक ने विजेता खिलाड़ियों और सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे खेल आयोजन विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, खेल भावना और प्रतिस्पर्धात्मक सोच का विकास करते हैं।

अंतरसदनीय अंग्रेजी एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

सोनीपत। हिंदू विद्यापीठ में अंतरसदनीय अंग्रेजी एक्सटेम्पोर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के चारों सदनों - आजाद, भगत, बोस और पटेल सदन के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रत्येक सदन से 16-16 विद्यार्थियों सहित कक्षा तीसरी से आठवीं तक के छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बिना पूर्व तैयारी के दिए गए विषयों पर विद्यार्थियों ने अंग्रेजी में आत्मविश्वास, स्पष्ट उच्चारण और प्रभावशाली अभिव्यक्ति के साथ अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास और प्रभावी संप्रेषण कौशल को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम का वातावरण उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायक रहा। विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी ऐसी प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

खंड स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ी पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गांव भैंसवाल में आयोजित शैक्षणिक खंड गोहाना की कुश्ती प्रतियोगिता में गांव कासंडी पंचायत कुश्ती अकादमी के खिलाड़ियों ने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अकादमी के खिलाड़ियों ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को पटखनी देकर कई पदक झटक लिए। विजेताओं को कोच सुभाष चंद, सरपंच संदीप आर्य, प्रिंस, देवेन्द्र जांगड़ा व पहलवान विकास ने सम्मानित किया। लड़कियों में तमन्ना पुत्री जयभगवान ने 50 किलोग्राम भारवर्ग में प्रथम स्थान, वर्षा पुत्री सुनील ने 39 किलोग्राम भारवर्ग में प्रथम स्थान, रितु पुत्री विनोद व रेनू पुत्री वसंत ने 30 किलोग्राम भारवर्ग में प्रथम स्थान, प्रियंका पुत्री जसमेर ने 46 किलोग्राम भारवर्ग में द्वितीय स्थान और दिव्या पुत्री राजू ने 36 किलोग्राम भारवर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। लडक़ों में प्रतीक पुत्र देवेंद्र ने 41 किलोग्राम भारवर्ग में प्रथम स्थान, लव पुत्र जय भगवान ने 51 किलोग्राम ग्रीको रोमन कुश्ती में प्रथम स्थान, अंकित पुत्र कृष्ण ने 57 किलोग्राम भारवर्ग में प्रथम स्थान, दिव्यांशु पुत्र जसबीर व प्रतीक वर्मा पुत्र राजेश ने 60 किलोग्राम भारवर्ग में प्रथम स्थान, देव पुत्र राजेश ने 71 किलोग्राम ग्रीको रोमन कुश्ती में प्रथम स्थान, आर्यन पुत्र दत्ता ने 80 किलोग्राम भारवर्ग में प्रथम स्थान और दिव्यांशु पुत्र राजमल ने 125 किलोग्राम भारवर्ग में प्रथम स्थान हासिल किया।

जिला स्तरीय कराटे में खिलाड़ियों ने जीते 7 पदक

खरखौदा। कराटे खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए स्कूल प्रबंधन। **फोटो : हरिभूमि**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

जिला स्तरीय स्कूली अंडर -14, अंडर -17, अंडर -19 लड़के व लड़कियों की कराटे प्रतियोगिता 20 जुलाई से 23 जुलाई तक गोहाना में आयोजित की गई, जिसमें केडी इंटरनेशनल स्कूल की ओर से 7 कराटे खिलाड़ियों ने भाग लेकर 2 गोल्ड मेडल, 4 सिल्वर मेडल व 1 ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपने माता-पिता स्कूल व अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया। के.डी. इंटरनेशनल स्कूल के मयंक ने अंडर -19 आयु वर्ग के -35 किलोग्राम भार वर्ग में व कनक ने अंडर 14 आयु वर्ग के -24 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीत कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान पक्का किया। वहीं देव ने अंडर 14 आयु वर्ग के - 45 किलोग्राम भार वर्ग, विधि ने अंडर 14 आयु वर्ग के -38 किलोग्राम में, पीहू ने अंडर 14 आयु वर्ग के - 42 किलोग्राम भार वर्ग और वही दिव्या ने अंडर 17 के - 36 किलोग्राम भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीते और काव्या ने अंदर 14 आयु वर्ग के - 34 किलोग्राम भार वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। इस उपलब्धि से स्कूल में खुशी का माहौल है। स्कूल प्रांगण में पहुंचने पर सभी विजेता खिलाड़ियों का जोरदार स्वागत किया गया। स्कूल प्रिंसिपल भावना शर्मा व डायरेक्टर तृप्ति नेगी ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया व पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। स्कूल चेयरमैन भूपेंद्र दहिया ने एडमिनिस्ट्रेटर मोहित व कराटे कोच विकास बिधलान को इस उपलब्धि पर बधाई दी व विजेता खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर स्कूल के तमाम स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

बुद्धा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल की कबड्डी टीम ब्लॉक स्तर पर रही प्रथम

खरखौदा। बुद्धा इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, खर्मपुर के विद्यार्थियों ने खरखौदा में आयोजित ब्लॉक स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्कूली टीम ने अपने सभी मुकाबलों में उत्कृष्ट खेल भावना और अद्भुत टीमवर्क का परिचय देते हुए कल्पना चावला स्कूल, राजकीय विद्यालय बरोना तथा राजकीय विद्यालय फरमाना की टीमों को पराजित कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। विद्यालय पहुंचने पर प्रधानाचार्य योगेंद्र दहिया, कोआर्डिनेटर शिवानी शर्मा, मैनेजमेंट की तरफ से कांता रानी, शिक्षिका नेहा, कामिनी ने विजेता खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते इस शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। स्कूल प्रबंधन ने विश्वास जताया कि खिलाड़ी भविष्य में भी इसी प्रकार विद्यालय, अपने परिवार तथा क्षेत्र का नाम रोशन करते रहेंगे।

ब्लॉक स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में साउथ पॉइंट की दोहरी धमाकेदार जीत

सोनीपत। मुरथल के एसएफसी मैदान पर आयोजित एसजीएफआई ब्लॉक स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में साउथ पॉइंट स्कूल की टीम ने अपने शानदार और दबदबे वाले प्रदर्शन से सभी का दिल जीत लिया। प्रतियोगिता के दौरान खेले गए दोनों ही मुकाबलों में साउथ पॉइंट की टीम ने ऑलराउंड खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले लिटिल एंजेल और फिर जानकीदास स्कूल को धूल चटाकर एकतरफा जीत दर्ज की। गेंदबाजों की धारदार गेंदबाजी और बल्लेबाजों के जिम्मेदार खेल के दम पर टीम ने ब्लॉक स्तर पर अपनी श्रेष्ठता साबित की। साउथ पॉइंट ग्रुप आफ इंस्टीट्यूट के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने बताया कि प्रतियोगिता का पहला मैच साउथ पॉइंट स्कूल व लिटिल एंजेल स्कूल की टीम के बीच खेला गया। जिसमें साउथ पॉइंट ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। साउथ पॉइंट के गेंदबाजों ने अनुशासित गेंदबाजी करते हुए लिटिल एंजेल की टीम को बड़े स्कोर से रोक दिया और 47 रनों का लक्ष्य निर्धारित हुआ। दूसरा मैच साउथ पॉइंट बनाम जानकीदास स्कूल के बीच खेला गया, जिसमें साउथ प्वाइंट का सिक्का चमका और टीम ने टॉस जीतकर फिर से गेंदबाजी का विकल्प चुना। साउथ पॉइंट के गेंदबाजों के आगे जानकीदास स्कूल के बल्लेबाज टिक नहीं सके और पूरी टीम 36 रनों के लक्ष्य पर ही सिमट गई। 36 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ पॉइंट ने बिना किसी खास दबाव के मुकाबला अपने नाम कर लिया। चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने कहा कि कोच कपिल के नेतृत्व में हमारे खिलाड़ियों ने मैदान पर जिस अनुशासन, कड़ी मेहनत और खेल भावना का परिचय दिया है, वह सराहनीय है। यह जीत उनके अथक प्रयास और सही दिशा में किए गए अभ्यास का सुखद परिणाम है।

पूजा-पाठ करने से जीवन में सुख-शांति एवं समृद्धि का रहता है वास

देवशयनी एकादशी पर किया हवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत के गांव चिट्ठाना में देवशयनी एकादशी पर हवन में आहुति डालते श्रद्धालु।

देवशयनी एकादशी पर गांव चिट्ठाना में शनिवार को श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चारण के साथ पूजा-अर्चना कर हवन में आहुति डाली। श्रद्धालुओं ने हवन में पूर्णाहूति डालने के पश्चात प्रसाद ग्रहण किया। पंडित अमित शौनक ने श्रद्धालुओं को एकादशी की कथा सुनाकर महत्व से वर्णन किया। उन्होंने बताया कि धार्मिक मान्यता अनुसार एकादशी के दिन व्रत रखने, पूजा-पाठ करने से जीवन में सुख-शांति एवं समृद्धि का वास रहता है। श्रद्धालुओं को मोक्ष की प्राप्ति होती है। पंडित अमित शौनक ने बताया कि सनातन परंपरा में देवशयनी एकादशी को महत्वपूर्ण तिथि माना गया है। आज ही के दिन भगवान विष्णु सृष्टि के संचालन का कार्य देवाधिदेव महादेव को सौंप योगनिद्रा में चले जाते हैं। भगवान शिव अगले चार माह तक सृष्टि के संचालन का दायित्व संभालेंगे। मान्यता है कि इस कार्यकाल में देवाधिदेव कैलाश छोड़कर हरिद्वार के कनखल में विराजमान रहते हैं। बाद में यह जिम्मेदारी भगवान श्रीकृष्ण, गणेश, पितृ, मां दुर्गा, मां लक्ष्मी के हाथों में जाती है। इस चार माह की अवधि को चातुर्मास के नाम से भी जाना जाता है, आध्यात्मिक साधना, संयम का समय है। इस समयावधि में सभी मांगलिक कार्यों पर रोक रहेगी। इस दौरान राजू पंडित, बिजेंद्र, कप्तान, मनीष, अनीश, नीलम, अंशु, इंदू, एकता, सिमरन, जगदीश, कृष्ण मौजूद रहे।

सावन सेवा, भक्ति और प्रकृति से जुड़ने की प्रेरणा देता है : राजीव जैन

सोनीपत। सावन माह के आरंभ पर नगर निगम के मेयर राजीव जैन ने मोहन नगर स्थित गली नंबर-6 के श्री बगलामुखी महादेव मंदिर में आयोजित विशाल भंडारे में पहुंचकर भगवान शिव की विधिवत पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश और देशवासियों के सुख, समृद्धि एवं सर्वजन कल्याण की कामना की। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं के बीच भंडारा प्रसाद वितरित कर सेवा कार्य में भागीदारी निभाई। मेयर राजीव जैन ने कहा कि सावन का पावन माह भगवान भोलेनाथ की आराधना का विशेष अवसर है। सच्ची श्रद्धा और सरल भाव से की गई भक्ति से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होकर भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व सेवा, सद्भाव, आस्था और मानव कल्याण का संदेश देता है। साथ ही सभी श्रद्धालुओं से पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि धार्मिक आस्था के साथ प्रकृति की सेवा भी प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। मेयर ने भंडारे के सफल आयोजन के लिए मंदिर समिति और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संतोष ठाकुर, रामकिशन पाठक, नागमणि पांडेय, अशोक कुमार, आशा देवी, प्रमिला, शांति सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

राज्यपाल से पुरस्कृत होने वालों के सम्मान में हुआ गुरुकुल मटिंडू में समारोह

खरखौदा। राज्यपाल द्वारा पुरस्कृत प्रतिभाओं के सम्मान में गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मटिंडू में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विद्यालय की कब विंग को राज्य सरकार की ओर से राज्यपाल पुरस्कार से नवाजा गया। यह उपलब्धि अनुशासन, सेवा, नेतृत्व और राष्ट्रभक्ति के क्षेत्र में विद्यालय के उत्कृष्ट योगदान का प्रतीक बनी। जिसमें विद्यालय की प्राचार्या ज्योति मलिक को शिक्षा व स्काउट-गाइड में सराहनीय कार्य के लिए 'थैंक्स बैज अवार्ड' मिला। वहीं सातवीं कक्षा की होनहार छात्रा भूमिका ने 'बेस्ट बुलबुल अवार्ड' जीतकर सबका दिल जीत लिया। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई। बच्चों ने देशभक्ति गीतों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और स्काउट-गाइड, कब-बुलबुल के करतबों से माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। इस मौके पर गुरुकुल के चेयरमैन एवं पूर्व बिग्रेडियर सत्यदेव दहिया, जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया, डीओसी स्काउट शशि मेहता, डीटीसी गाइड सरस्वती कौशिक, डीओसी कब राजीव आंतिल व एलटी कब बिजेंद्र कुमार भी मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

कुकिंग विदाउट फायर प्रतियोगिता करवाई

खरखौदा। एपी गर्ग पब्लिक स्कूल, खरखौदा में विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आत्मनिर्भरता एवं व्यावहारिक कौशल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कुकिंग विदाउट फायर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा छठी से बारहवीं तक के 95 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने बिना आग का प्रयोग किए अनेक स्वादिष्ट एवं पौष्टिक व्यंजन तथा पेय पदार्थ तैयार किए। इनमें कोल्ड कॉफी, सैंडविच, फ्रूट चाट, केक, सलाद सहित कई आकर्षक व्यंजन शामिल रहे। सभी प्रतिभागियों ने न केवल अपने व्यंजनों का उत्कृष्ट स्वाद प्रस्तुत किया, बल्कि उन्हें अत्यंत सुंदर एवं आकर्षक ढंग से सजाकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का भी शानदार प्रदर्शन किया।

विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन ने नारियल तोड़कर किया शुभारंभ

फाजिलपुर गांव को विकास की सौगात 50 लाख से गलियों का होगा कायाकल्प

12 लाख रुपये की लागत से नई सीवरेज लाइन भी बिछाई जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

विधायक निखिल मदान और मेयर राजीव जैन शनिवार को वार्ड नं 06 के फाजिलपुर गांव में पहुंचे जहां उन्होंने नगर निगम द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों का नारियल तोड़कर शुभारंभ किया। इस दौरान निगम पार्षद निशा, पार्षद प्रतिनिधि लीला ठेकदार और क्षेत्र के सभी गणमान्य नागरिकों की उपस्तिथि रही।

विधायक निखिल मदान ने बताया कि वार्ड नंबर 06 के फाजिलपुर गांव में कुछ गलियों की हालत खस्ता हो गई थी। स्थानीय लोगों की मांग थी कि इन गलियों का सीसी से नवनिर्माण करवाया जाए। आमजन की मांग पर उन्होंने निगम अधिकारियों को टेंडर प्रक्रिया शुरू करने के आदेश दिए थे। उसी क्रम में आज मेयर राजीव जैन और पार्षदों के साथ मिलकर गलियों के नवनिर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया है। इसके साथ ही 12 लाख रुपये की लागत से एक नई सीवरेज लाइन बिछाने का काम भी किया जाएगा, जिससे दूषित जलभराव की समस्या से गांववासियों को निजात मिलेगी।

मेयर राजीव जैन ने बताया कि लगभग 50 लाख रुपए की लागत से गलियों को सी सी और मास्टिक से बनाने के कार्य का शुभारंभ किया गया है। इस कार्य को जल्द ही पूरा किया जाएगा। उन्होंने एजेंसी के प्रतिनिधि को बेहतर गुणवत्ता के साथ तय समय सीमा के अंदर निर्माण कार्य पूरा करने के आदेश दिए। इस कार्य के पूरा होने से क्षेत्रवासियों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। इसके साथ ही एक सीवरेज लाइन बिछाने का काम भी होगा जिससे सीवर के पानी की निकासी सुगम होगी और लोगों को लाभ मिलेगा।

सोनीपत। विकास कार्यों का शुभारंभ करते हुए विधायक, साथ में मेयर एवं अन्य।

कपड़ा मार्केट पहुंचे विधायक निखिल मदान, समस्याओं का करवाया समाधान

सोनीपत। विधायक निखिल मदान शनिवार को बस स्टैंड के समीप स्थित कपड़ा मार्केट पहुंचे, जहां उन्होंने व्यापारियों और दुकानदारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया। निरीक्षण के दौरान ट्रांसफार्मर के पास कूड़े का ढेर मिलने पर विधायक ने क्षेत्र के मुख्य सफाई निरीक्षक को फटकार लगाई। उन्होंने संबंधित एजेंसी पर कूड़ा उठान में लापरवाही बरतने पर जुर्माना लगाने और विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही तत्काल प्रभाव से कूड़ा उठवाने के आदेश भी जारी किए। विधायक निखिल मदान ने कहा कि नगर निगम के अधिकारी बिजली, पेयजल, सीवरेज और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें तथा जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होंने कपड़ा मार्केट की एक दुकान में शॉर्ट सर्किट से लगी आग के बाद घटनास्थल का निरीक्षण किया और पीड़ित दुकानदार से मुलाकात कर सरकार तथा निजी स्तर पर हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया।

न्यूज डायरी

रोटरी क्लब सोनीपत मिडटाउन की नई कार्यकारिणी ने संभाला कार्यभार

सोनीपत। रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत मिडटाउन ने ब्लू पार्क में रोटरी वर्ष 2026-27 के लिए चार्टर एवं पदग्रहण समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अमित गुप्ता, स्वाति गुप्ता, रोटेरियन रिम्पी कुच्छल और रोटेरियन रविंदर भारद्वाज मुख्य रूप से उपस्थित रहे। समारोह में क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष टीएन तिवारी, सचिव प्रवीण गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष डॉ. मनोज भाटला, पूर्व अध्यक्ष संदीप जैतली और एजी रविंदर भारद्वाज ने अतिथियों का स्वागत किया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अमित गुप्ता ने नए सत्र के लिए सामुदायिक सेवा, सदस्यता विस्तार, रोटरी फाउंडेशन के सुदृढ़ीकरण और युवा सशक्तिकरण को प्राथमिकता बताते हुए क्लब को इन लक्ष्यों की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान पिनिंग सेरेमनी में अमित गुप्ता ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को रोटरी पिन पहनाकर औपचारिक रूप से दायित्व सौंपे। समारोह में विभिन्न रोटरी क्लबों के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

विद्यार्थी पद ग्रहण समारोह में आदित्य वरिष्ठ हैड ब्वॉय व एकता हैड गर्ल बनीं

गोहाना। दून पब्लिक स्कूल, गोहाना में शनिवार को विद्यार्थी परिषद का गठन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि सेवा राम रेडू, डॉ. जेपी दलाल और सुशील कुमार मलिक रहे । स्कूल प्रबंधक राजेश कुमार, उप प्रबंधक विक्रान्त और प्राचार्या ज्योति छाबड़ा ने अतिथियों के साथ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यार्थी परिषद में के वरिष्ठ वर्ग में आदित्य को हैड ब्वॉय, एकता को हैड गर्ल, राघव को वाइस हैड ब्वॉय और दीया को वाइस हैड गर्ल चुना गया। कनिष्ठ वर्ग में तनिष को हैड ब्वॉय और सानवी को हैड गर्ल चुना गया। चारों सदनों में गांधी सदन के कैप्टन रजत मलिक, मिल्खा सदन की कैप्टन प्रीति खोखर, रमन सदन की कैप्टन सानवी और टैगोर सदन की कैप्टन वंशिका जागलान को चुना गया।

चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ियों ने जीते कई पदक

गन्नौर । स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की खेल प्रतियोगिताओं में चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। स्कूल के निदेशक अजय यादव ने बताया कि एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, डिस्कस थ्रो और कबड्डी स्पर्धाओं में विद्यार्थियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। एथलेटिक्स प्रतियोगिता में कक्षा सातवीं के छात्र मयंक कटारिया ने 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक तथा 400 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। कक्षा नौवीं की छात्रा पालक ने 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण और 200 मीटर दौड़ में रजत पदक अपने नाम किया। वहीं कक्षा आठवीं के शिवम ने 400 मीटर दौड़ में कांस्य पदक हासिल किया। इसके अलावा लक्ष्य, भूमिक और सानू ने भी विभिन्न स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।टीम स्पर्धा में कक्षा दसवीं के दीक्षांत का अंडर-17 कबड्डी टीम में चयन हुआ है। अब वह जिला स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

महक ने 81.1% अंक लेकर किया टॉप

गोहाना। जेएलएन कॉलेज ऑफ एजुकेशन, गोहाना का बीएड फाइनल वर्ष का परीक्षा परिणाम शानदार रहा। कॉलेज की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्थान का नाम गौरवान्वित किया। संस्थान के एमडी एडवोकेट सुनील शर्मा ने बताया कि परीक्षा महक भारद्वाज पुत्री महेश ने 81.10 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। महिमा पुत्री मनोज मित्तल ने 79.44 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय तथा सिमरन पुत्री विक्रम ने 77.31 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। समारोह में जेएलएन स्कूल के प्राचार्य डॉ. सचिन शर्मा ने मेधावी छात्राओं को सम्मानित करते हुए कहा कि छात्राओं की सफलता उनकी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा संस्थान के अनुशासित शैक्षणिक वातावरण का परिणाम है। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कॉलेज परिसर में परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद खुशी का माहौल रहा। प्राध्यापकों एवं स्टाफ सदस्यों ने भी सफल छात्राओं को बधाई देते हुए भविष्य में इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए सरकार की विधायक ने की सराहना

राई। राई विधानसभा क्षेत्र की विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि देश के युवाओं और छात्रों के भविष्य की सुरक्षा केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कृष्णा गहलावत।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रतियोगी परीक्षाओं को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और निष्पक्ष बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं, जिससे युवाओं का परीक्षा प्रणाली पर विश्वास और मजबूत होगा। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक जैसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने के लिए केंद्र सरकार ने कड़े कानूनी प्रावधान किए हैं। केंद्र सरकार का प्रयास है कि वर्षों की मेहनत और लगन से परीक्षा की तैयारी करने वाले युवाओं के सपनों के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में शामिल व्यक्तियों और संगठित गिरोहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित बनाने की दिशा में उठाए गए कदम युवाओं के हित में महत्वपूर्ण साबित होंगे।

जिमखाना क्लब उद्घाटन को लेकर विवाद गहराया, उद्घाटन पर रोक की मांग

सोनीपत। सेक्टर-6 स्थित जिमखाना क्लब के प्रस्तावित उद्घाटन को लेकर विवाद एक बार फिर गहरा गया है। क्लब परियोजना में निवेश का दावा करने वाली एलएलपी के साझेदारों ने उपायुक्त एवं क्लब अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर न्यायालय के अंतिम निर्णय तक उद्घाटन समारोह और किसी भी व्यावसायिक गतिविधि पर रोक लगाने की मांग की है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि मामला फिलहाल न्यायालय में विचाराधीन है और ऐसे में उद्घाटन कराया जाना न्यायिक प्रक्रिया की भावना के विपरीत होगा। ज्ञापन देने वालों में राकेश कालरा, राज नारायण सिंह, सतीश कपूर और विजय कपूर शामिल हैं। उनका दावा है कि उन्होंने क्लब परियोजना के निर्माण और विकास में करीब छह करोड़ रुपये का निवेश किया है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार मार्च 2024 में ईगल आई सिक्योरिटी हाउसकीपिंग सर्विस ने एचएसवीपी से सेक्टर-6 स्थित जिमखाना क्लब को 15 वर्ष की लीज पर लिया था। इसके बाद अप्रैल 2025 में ईगल आई क्लब रेस्टोरेंट एलएलपी का गठन किया गया, जिसमें विभिन्न साझेदारों को शामिल कर क्लब के विकास और संचालन की योजना बनाई गई।

बेटी की मृत्यु के बाद परिवार ने करवाया नेत्रदान, दिया मानवता का संदेश

सोनीपत। समाज कल्याण शिक्षा समिति के सहयोग से एक परिवार ने बेटी की मृत्यु के बाद उसका नेत्रदान कर मानवता की मिसाल पेश की। समिति के

अनुसार उदिता पाटिल, पुत्री अजय कुमार पाटिल, लंबे समय से बीमारी से जूझ रही थीं। मानसिक तनाव के चलते उन्होंने सातवीं मंजिल से छलांग लगा दी। परिजन उन्हें नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद उदिता के पिता अजय कुमार पाटिल ने समाज कल्याण शिक्षा समिति के प्रधान आनंद कुमार से संपर्क कर बेटी के अंगदान की इच्छा जताई। आनंद कुमार ने शराफ हॉस्पिटल, दिल्ली की डॉ. गर्गी शर्मा से संपर्क किया, जिनके निर्देश पर डॉ. नरेंद्र तत्काल नागरिक अस्पताल पहुंचे। चिकित्सकों, पुलिस और परिवार की सहमति के बाद उदिता का नेत्रदान कराया गया।

छात्रों की जीत पर कांग्रेस ने निकाला विजय मार्च

- केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे को बताया छात्रों के संघर्ष की बड़ी जीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के निर्देश पर तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद आज के घटनाक्रम को देखते हुए जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा शनिवार शाम को कैंडल मार्च के स्थान पर विजय मार्च निकाला गया।यह मार्च गांधी चौक से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए बस स्टैंड के निकट स्थित डा. भीमराव आंबेडकर पार्क पहुंचकर संपन्न हुआ। मार्च का नेतृत्व शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान और ग्रामीण जिला अध्यक्ष संजीव दहिया ने किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते की। शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान ने इस अवसर पर कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा देश के छात्रों और युवाओं के संघर्ष की एक बड़ी जीत है। ग्रामीण जिला अध्यक्ष संजीव दहिया ने कहा कि परीक्षाओं में गड़बड़ियां देश के युवाओं की मेहनत के साथ सीधा अन्याय है।

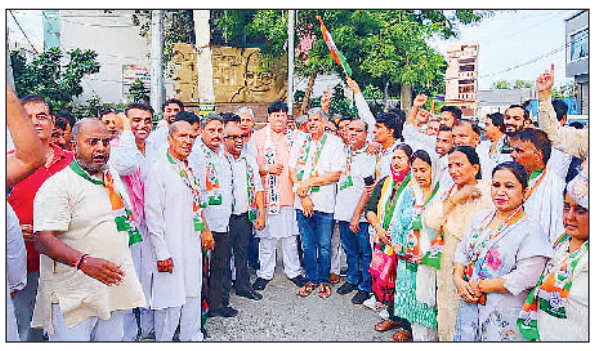

सोनीपत। सुभाष चौक पर विरोध प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष अन्य पदाधिकारी।

ये रहे मौजूद

इस विजय मार्च में जिला कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी, विभिन्न प्रकोष्ठों व विभागों के प्रतिनिधि, युवा कांग्रेस कार्यकर्ता, छात्र तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक शामिल हुए। इस दौरान पूर्व सांसद धर्मपाल मलिक, पूर्व विधायक जयबीर बाल्मीकि, पुर्व विधायक पदम सिंह दहिया, उपाध्यक्ष प्रसांत शर्मा, हरेंद्र सैनी, अमदीप पारासर, संगठन महासचिव मुकेश पन्नालाल, पार्षद जयकुमार खत्री, अनुराग जैन, राजेश मलिक व अन्य मौजूद रहे।

जंतर मंतर तक लेकर जाएंगें कावड़ यात्रा जीव संरक्षण और पर्यावरण का उठेगा मुद्दा

सोनीपत। महावतार बाबाजी ट्रस्ट द्वारा आगामी शिवरात्रि के पावन अवसर पर हरिद्वार से दिल्ली के रामलीला मैदान या जंतर-मंतर तक एक विशाल कावड़ यात्रा आयोजित की जाएगी। यात्रा का समापन 11 अगस्त को सेवा तीर्थ में भगवान शिव के जलाभिषेक के साथ होगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष नवीन कुमार घणघस ने बताया कि यह यात्रा केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि सामाजिक और पर्यावरण से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर जनजागरण का एक बड़ा अभियान है। इस यात्रा के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर गौ सुरक्षा कानून बनाने, श्वान व अन्य जीवों के साथ होने वाले अत्याचारों को रोकने तथा जीवों के खिलाफ यौन हिंसा पर कठोर सजा के प्रावधान की मांग उठाई जाएगी। इसके अतिरिक्त जल, जंगल, जमीन व पर्यावरण संरक्षण, महिलाओं की सुरक्षा और किसानों व आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा का मुद्दा भी प्रमुखता से रखा जाएगा। इस अवसर पर भोले बाबा आश्रम प्रमुख सुनील बैरागी, भोले बाबा गौ सेवक मोहित रामनगर, अजीत, अंकित, गौ भगत हरि राजपूत आदि सभी गौ सेवक उपस्थित रहे। ट्रस्ट ने सभी युवाओं, श्रद्धालुओं और संवेदनशील नागरिकों से इस यात्रा में शामिल होने की अपील की है।

रौनक पब्लिक स्कूल में हाउस व छात्र परिषद में धैर्य बने हेड बॉय और अवनी हेड गर्ल

गन्नौर। रौनक पब्लिक स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए हाउस काउंसिल एवं स्टूडेंट काउंसिल का गठन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के चारों हाउस—ध्येय, करम, शौर्य और विवेक—के पदाधिकारियों के साथ छात्र परिषद एवं स्कूल प्रीफेक्ट्स की नियुक्ति की गई। विद्यार्थियों का चयन नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, शैक्षणिक उत्कृष्टता, खेल प्रतिभा, संप्रेषण कौशल एवं जिम्मेदारी निभाने की योग्यता के आधार पर किया गया। विद्यालय की छात्र परिषद में कक्षा 12ए के धैर्य को हेड बॉय और अवनी को हेड गर्ल नियुक्त किया गया। वहीं कक्षा 11एबी के कनिष्क को वाइस हेड बॉय, कक्षा 11सी की सेजल को वाइस हेड गर्ल, वंशिका को हेड ऑफ स्पीकर्स क्लब तथा कनक को वाइस हेड ऑफ स्पीकर्स क्लब का दायित्व सौंपा गया। इसके अलावा विभिन्न कक्षाओं के 10 विद्यार्थियों को स्कूल प्रीफेक्ट नियुक्त किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या रजनी शर्मा ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि नेतृत्व केवल पद प्राप्त करना नहीं, बल्कि अनुशासन, सेवा, समर्पण और उत्कृष्ट आचरण से दूसरों के लिए प्रेरणा बनना है। विद्यालय परिवार ने सभी नवनियुक्त छात्र पदाधिकारियों को सफल एवं प्रेरणादायी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

देवीलाल की प्रतिमा क्षतिग्रस्त करने पर विरोध, एक सप्ताह में पुनर्स्थापना की मांग

सोनीपत। पूर्व उपप्रधानमंत्री जननायक चौधरी देवीलाल की प्रतिमा क्षतिग्रस्त किए जाने के विरोध में पुरखास अड्डा पर इनेलो की ओर से प्रेस वार्ता आयोजित

की गई। जिला अध्यक्ष कुणाल गहलावत ने कहा कि चौधरी देवीलाल किसी एक वर्ग नहीं, बल्कि 36 बिरादरी के सर्वमान्य नेता थे। उन्होंने बुढ़ापा पेंशन, अनुसूचित जाति के लिए चौपाल, एससी-बीसी वर्ग को नंबरदारी का अधिकार, मुफ्त बस पास और किसानों के कर्ज माफी जैसी ऐतिहासिक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू कीं। उन्होंने सरकार से एक सप्ताह के भीतर प्रतिमा को ससम्मान पुनर्स्थापित करने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि ऐसा नहीं होने पर इनेलो बड़ा जन आंदोलन शुरू करेगी। प्रेस वार्ता में प्रदेश सचिव सुरेश त्यागी, युवा जिला अध्यक्ष विकास मलिक, महिला जिला अध्यक्ष मनजीत फोगाट, राजबीर जोगी, पूनम रोहिल्ला, राजेंद्र जांगड़ा, निर्मला खत्री, शीला, उषा सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

भाजपा युवा नेता वीरेंद्र मोहन लाल बड़ौली समेत गणमान्य लोगों ने दी बधाई

नीट में तान्या की शानदार सफलता, किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राई

गांव पलड़ा निवासी तान्या ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) उत्तीर्ण करने पर भाजपा युवा नेता वीरेंद्र मोहन लाल बड़ौली, पार्षद कुणाल, भाजयुमो के जिला अध्यक्ष प्रवीण दहिया, जखोली मंडल अध्यक्ष शेखर आंतिल व ग्रामीणों ने तान्या को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। तान्या ने अपनी सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की छात्र हितैषी योजनाओं को दिया। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा से संबंधित सुविधाओं और विद्यार्थियों के हित में उठाए गए कदमों से अभ्यर्थियों को लाभ मिला है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर गांव की सरपंच, विजेंद्र आनंद सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने तान्या को सम्मानित करते हुए कहा कि उसकी सफलता क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी और उन्हें उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करेगी।

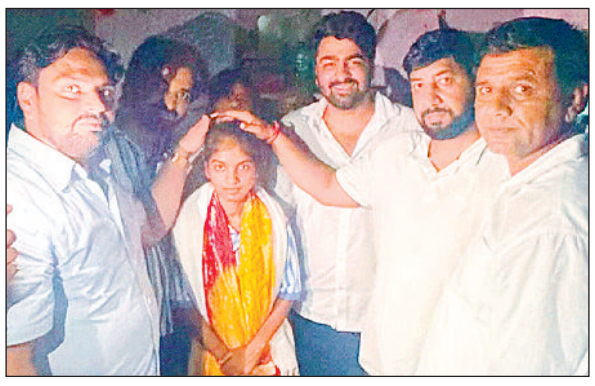

राई। उत्तीर्ण करने पर भाजपा युवा नेता वीरेंद्र मोहन लाल बड़ौली मंडल अध्यक्ष शेखर आंतिल सम्मान करते हुए।

ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल में 641 अंक हासिल करने पर विद्यार्थी प्रतीक का भव्य स्वागत

सोनीपत। ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल (जी-3) में नीट (यूजी) परीक्षा-2026 में 641 अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं सोनीपत का नाम रोशन करने वाले मेधावी छात्र प्रतीक कुमार का विद्यालय परिसर में भव्य एवं गर्मजोशी से स्वागत किया गया। प्रतीक ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से आयोजित नीट (यूजी) परीक्षा में 720 में से 641 अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की। प्रतीक कुमार ने कड़ी मेहनत के दम पर इस परीक्षा में आल इंडिया रैंक-2124 हासिल की, जबकि जनरल ईडब्ल्यूएस श्रेणी में उनकी रैंक 183 रही। चेयरमैन सुधीर जैन, डायरेक्टर ध्रुव जैन व प्राचार्या गीता चोपड़ा ने प्रतीक की इस शानदार उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सुधीर जैन ने प्रतीक को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर प्रतीक ने कहा कि उनका लक्ष्य एक सफल कार्डियोलॉजिस्ट (हृदय रोग विशेषज्ञ) बनकर मानवता की निस्वार्थ सेवा करना है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, विद्यालय प्रबंधन, प्राचार्या एवं सभी शिक्षकों के मार्गदर्शन और सहयोग को दिया तथा सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

पार्श्वनाथ सिटी में वेद प्रचार मंडल ने किया पौधरोपण

सोनीपत। पार्श्वनाथ सिटी के पार्क में वेद प्रचार मंडल, जिला सोनीपत के तत्वावधान में शनिवार को भव्य पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त तहसीलदार जयवीर रंगा और वेद प्रचार मंडल के जिला प्रधान देवेंद्र आर्य ने प्रबुद्धजनों की गरिमामयी उपस्थिति में पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि अधिक से अधिक पौधे लगाकर ही आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लिया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 26 जुलाई 2026

आषाढ़ बीतने वाला है, सावन का महीना शुरू होने वाला है। रिमझिम फुहारों से भीगी हरी-भरी प्रकृति और मन को प्रफुल्लित करने का यह मौसम हमें आमंत्रित करता है कि आइए, एक बार फिर अपने बचपन में लौट जाएं। बारिश की फुहारों में तन मन को भिगो लें, अपनों के संग यादगार पल बिता लें, उनके साथ झूम लें। यकीन मानिए, ये पल आप कभी नहीं भूल पाएंगे।

आइए फिर बन जाएं बच्चे

रिमझिम बारिश का लें जी भर मजा

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आधुनिक भागदौड़ और तनाव भरी जिंदगी में अगर बारिश के मौसम का असली आनंद लेना है, तो हमें अपने भीतर के बचपन को फिर से जगाना होगा। यानी आने वाले सावन-भादो के दिनों का मजा लेने के लिए बन जाएं बच्चे, थोड़े से अक्ल के कच्चे। तर्क, समझदारी और दुनियादारी के बोझ को किनारे रखकर, एक बच्चे जैसी मासूमियत और बेफिक्री से इस मौसम को जीना सीख लें तो पूरे साल जीवन ऊर्जा से लबरेज रह सकते हैं।

समेट लें हर बूंद: बारिश के ये भीगे-भीगे दिन साल में एक बार आते हैं और हमें यह संदेश देते हैं कि जिंदगी सिर्फ काम करने, पैसे कमाने और जिम्मेदारियां निभाने का नाम ही नहीं है। इस मौसम के बहाने प्रकृति हमें खुलकर हंसने, भीगने और गाने का न्यौता देती है। इसलिए इन दिनों में अपनी सारी 'अक्लमंदी' को कुछ दिनों के लिए आराम करने भेज दीजिए। दिल से पूरी तरह 'बच्चे' बनिए और सावन-भादो की हर एक बूंद को अपने भीतर समेट लीजिए। क्योंकि समझदारी में भले ही सुरक्षा हो, पर असली आनंद तो बेफिक्री की मासूमियत में ही मिलती है।

तर्क छोड़ लें आनंद: बड़े होने पर हम हर चीज में नफा-नुकसान, सही-गलत और लॉजिक ढूंढ़ने लगते हैं। बारिश का यह मौसम तर्क का नहीं, बल्कि अहसास का उत्सव है। जब आसमान से बूंदें गिरती हैं, तो एक समझदार व्यक्ति कपड़े भीगने या बीमार पड़ने के डर से छतरी तान लेता है। इसके विपरीत, मासूम बच्चे बिना किसी बचाव के बारिश की बूंदों का मजा लेने लगते हैं। बारिश का असली मजा लेने के लिए पहली शर्त यही है कि हम कुछ समय के लिए अपनी प्रौढ़ उम्र की समझदारी को भूलकर प्रकृति के इस उपहार को स्वीकार करें।

भीगने का बेबाक उल्लास: छत पर जाकर या सड़कों पर बाहें फैलाकर आसमान से गिरती बूंदों को अपने चेहरे पर महसूस करना एक थेरेपी की तरह है। जब आप 'बच्चे' बन जाते हैं, तो आपको इस बात की परवाह नहीं होती कि लोग क्या कहेंगे या आपके जूते खराब हो जाएंगे। बारिश का पानी हमारे तन के साथ-साथ मन के तनाव को भी धो देता है। यह बेफिक्री ही बारिश को खास बनाती है।

कागज की कश्ती से दोस्ती: 'वो कागज की कश्ती, वो बारिश का पानी।' मशहूर शायर सुदर्शन फाकिर द्वारा लिखी यह बेहद खूबसूरत नज्म वर्षा ऋतु से जुड़ी यादों को सामने ले आती है। बचपन में घंटों बैठकर रंग-बिरंगे कागजों से नाव बनाना और उन्हें बहते पानी में छोड़ना एक अलग ही रोमांच देता था। जब नाव किसी बाधा को पार कर आगे निकल जाती, तो मन खुशी से झूम उठता था। क्यों न एक बार फिर बच्चा बनकर कागज की कश्ती को बहते पानी में बहाएं। महसूस करें कि छोटी-छोटी चीजों में कितनी बड़ी खुशियां छिपी होती हैं!

नहीं भूलेगी सोंधी महक: तपती गर्मी के बाद जब बारिश की पहली फुहार सूखी धरती पर पड़ती है, तो उससे उठने वाली सोंधी महक आत्मा को तृप्त कर देती है। बारिश में भीगते, मिट्टी में खेलने के दौरान बच्चे इस सोंधी महक से भी जुड़ जाते हैं। आज कंक्रीट के जंगलों और 'स्क्रीन टाइम' के दौर में, बारिश हमें वापस मिट्टी की ओर खींचता है। बिना चप्पल पहने हरी घास और गीली मिट्टी पर चलकर देखिए, यह अनुभूति आप भूल नहीं पाएंगे।

झूले पर पींग बढ़ाने का रोमांच: सावन-भादो के मौसम में पुराने समय में बाग-बगीचों में पेड़ों की डालियों पर रस्सियों के झूले डाले जाते थे। किशोरियां और महिलाएं मिलकर लोकगीत गाती थीं और आसमान छूने की होड़ में पींग बढ़ाती थीं। हवा के झोंकों के साथ ऊपर जाना और फिर तेजी से नीचे आना, दिल की धड़कनों को बढ़ा देता था। आज भले ही वो बाग कम हो गए हों, लेकिन किसी पार्क में या घर की बालकनी में एक छोटा-सा झूला डालकर भीगी हवाओं का आनंद लिया ही जा सकता है। इससे हमारे भीतर का बाल-मन जीवंत हो उठेगा।

फायदेमंद है अक्ल का कच्चापन: 'अक्ल का कच्चा' होने का मतलब मूर्ख होना नहीं, बल्कि 'ओवरथिंकिंग' से मुक्त होना है। बारिश की बूंदें हमसे कहती हैं कि इस पल में जियो। जैसे बच्चे को कल की चिंता नहीं होती, वैसे ही कुछ घंटों के लिए अपनी अक्ल और चिंताओं को ताले में बंद कर देना ही आनंद मार्ग का दरवाजा खोलता है।

लजीज पकवानों का लें मजा: रसोई से घेवर, मालपुए, मूंगदाल के चीले, गरमा-गरम पकोड़े और अदरक वाली चाय की खुशबू, बारिश के मौसम का लुत्फ और बढ़ा देती है। अगर आप समझदार बने रहेंगे तो हमेशा कैलोरी, डाइट और फैट के हिसाब-किताब में उलझे रहेंगे। लेकिन बारिश का मजा तो तब आएगा, जब आप बच्चे की तरह बिना किसी गिल्ट के लजीज व्यंजनों का स्वाद लेंगे।

हरियाली को निहारने का सुख: एक बच्चा प्रकृति के इस बदलाव को बड़े कौतूहल से देखता है। पत्तियों पर अटकी बूंदें, रेंगते हुए छोटे कीट और इंद्रधनुष उसे मोहित कर देते हैं। जब हम एक बच्चे की विस्मय भरी नजरों से इस हरियाली को देखते हैं, तो हमें भी हर शय आकर्षक लगने लगती है। *

गीत-संगीत के संग थिरकन

बारिश सिर्फ देखने या छूने का नहीं, बल्कि सुनने का भी मौसम है। बादलों की गड़गड़ाहट, मेंढकों की टर्र-टर्र, झींगुरों की आवाज और पत्तियों पर गिरती बूंदों का अपना एक संगीत होता है। इसके साथ ही, लोकगीतों और कजरी की परंपरा इस मौसम को संगीतमय बनाती है। कुछ पल के लिए जब आप बच्चे बनते हैं, तो झिझक छोड़कर संगीत की धुन पर अपने परिजन या दोस्तों के संग झूम उठते हैं। बारिश के गानों पर जी भर झूमना या नाचना, मन के भीतर दबे हुए सारे गुबार को बाहर निकाल देता है।

संगीत-कला-मनोरंजन के साथ

सुधरे स्वास्थ्य-बढ़े आयु

अगर आप लंबे समय तक स्वस्थ रहना चाहते हैं, अपनी मेमोरी, सुकून और आयु बढ़ाना चाहते हैं तो अपनी व्यस्त दिनचर्या में से कुछ समय अपने मनोरंजन के लिए निकालिए। कला और संगीत का जीवन पर कैसा सकारात्मक असर पड़ता है, इसका खुलासा हाल में एक स्टडी में हुआ है।

लाइफस्टाइल
अंजू जैन

अगली बार जब आप अपने साप्ताहिक बजट या वीकेंड की योजना बनाएं, तो उसमें केवल मॉल जाने या रेस्टोरेंट में खाना खाने का कार्यक्रम न रखें, बल्कि किसी स्थानीय कला प्रदर्शनी का टिकट लें, किसी नाटक के दर्शक बनें या लाइव संगीत की महफिल का हिस्सा बनें। इससे आपके स्वास्थ्य और जीवन पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

क्या कहती है स्टडी: वैज्ञानिकों द्वारा किया गया अध्ययन इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि कला कोई विलासिता नहीं, बल्कि दीर्घायु और स्वस्थ जीवन के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है। जाहिर है, कला पर खर्च किया गया आपका समय और पैसा केवल मनोरंजन पर नहीं, बल्कि आपके जीवन के कीमती और स्वस्थ वर्षों को बढ़ाने पर निवेश है। सीधी-सी बात है कि कला से जुड़िए और लंबी उम्र पाइए।

स्टडी का तरीका: जापान के नेशनल सेंटर फॉर जेरियाट्रिक्स एंड जेरोंटोलॉजी और यूके के शोधकर्ताओं ने लगभग 10 से अधिक वर्षों तक हजारों वयस्कों के जीवन चक्र और उनकी सांस्कृतिक आदतों का विश्लेषण किया। वैज्ञानिकों ने डीएनए प्रणालियों और कोशिकाओं के बूढ़े होने की गति को मापा। इस शोध से जो बातें सामने आईं, उनसे यह साबित हुआ है कि सिनेमा, संगीत कार्यक्रम और कला प्रदर्शनियों में भाग लेने से इंसान की जैविक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। नियमित रूप से सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय रहने वाले लोगों की उम्र न केवल लंबी होती है, बल्कि उनका मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य भी काफी बेहतर रहता है। इस शोध में शामिल वैज्ञानिकों ने पाया कि जो लोग सप्ताह में कम से कम एक बार किसी सांस्कृतिक गतिविधि (जैसे फिल्म, नाटक या संगीत) का हिस्सा बनते हैं, उनकी जैविक उम्र न जाने वालों की तुलना में लगभग एक वर्ष कम पाई गई। कलात्मक गतिविधियों में सक्रियता से शरीर के बूढ़े होने की वार्षिक दर में करीब 4 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई है। जापान दुनिया में सबसे अधिक औसत आयु वाले देशों में शीर्ष पर है, जिसका एक बड़ा कारण वहां की जीवनशैली है। जब बुजुर्ग या वयस्क किसी पेंटिंग, प्रदर्शनी या लाइव कॉन्सर्ट में जाते हैं, तो उन्हें न केवल मानसिक संतोष मिलता है, बल्कि वे समाज के अन्य लोगों से भी जुड़ते हैं।

व्यायाम जैसा प्रभाव: वैज्ञानिकों का मानना है कि नियमित रूप से कला दीर्घाओं या संगीत समारोहों में जाना शरीर पर उतना ही सकारात्मक जैविक प्रभाव डालता है, जितना कि नियमित व्यायाम करना या धूम्रपान/शराब जैसी लत को छोड़ना।

शारीरिक-मानसिक तंत्र पर प्रभाव: यह शोध केवल सतही आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरा न्यूरोलॉजिकल और बायोलॉजिकल विज्ञान काम करता है। जब हम किसी मूवी, म्यूजिक कंसर्ट या आर्ट एग्जीबिशन का हिस्सा बनते हैं, तो हमारे शरीर में कई बदलाव होते हैं। जैसे- कलात्मक माहौल में समय बिताने से मस्तिष्क में तनाव पैदा करने वाले हार्मोन 'कोर्टिसोल' का स्तर तुरंत गिर जाता है। इससे हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है और असमय आने वाले हार्ट अटैक का खतरा कम होता है। म्यूजिक कंसर्ट की धुनें या किसी फिल्म की सम्मोहक कहानी हमारे मस्तिष्क में डोपामाइन, ऑक्सीटोसिन और एंडोर्फिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर को रिलीज करती हैं। ये हार्मोन दर्द कम करते हैं, मूड बेहतर बनाते हैं और शरीर में हीलिंग की प्रक्रिया को तेज करते हैं। उम्र बढ़ने और अंगों के खराब होने का बड़ा कारण शरीर के अंदरूनी हिस्सों में होने वाली सूजन है। जो लोग कलात्मक अभिव्यक्तियों से जुड़े, उनके शरीर में 'साइटोकिंस' (सूजन बढ़ाने वाले प्रोटीन) का स्तर कम पाया गया, जिससे इम्यून सिस्टम मजबूत बना रहता है।

अकेलापन वृद्ध अवस्था में एक साइलेंट किलर की तरह काम करता है। थिएटर और कंसर्ट हॉल जैसे सार्वजनिक स्थान लोगों को एक साझा मंच प्रदान करते हैं, जिससे सामाजिक अलगाव खत्म होता है और जीवन जीने की इच्छा मजबूत होती है। *

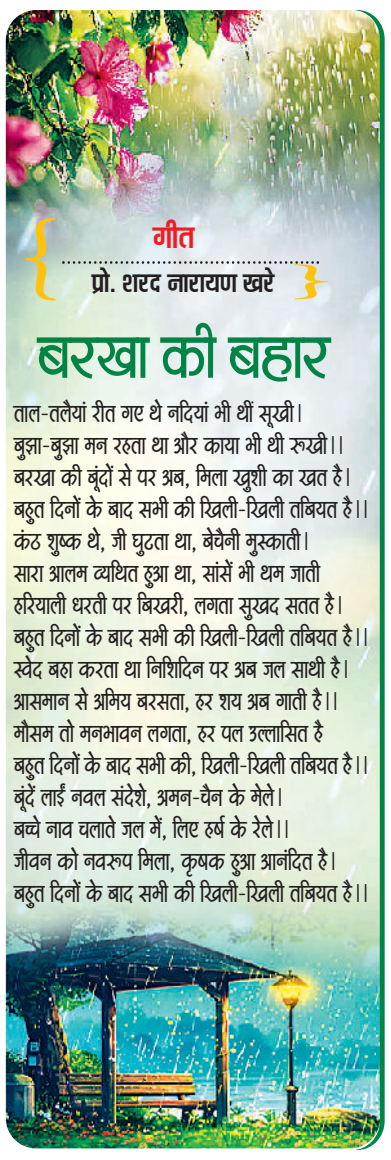

गीत
प्रो. शरद नारायण खरे

बरखा की बहार

ताल-तलैयां रीत गए थे नदियां भी थीं सूखी।
बुझा-बुझा मन रहता था और काया भी थी रूखी।।
बरखा की बूंदों से पर अब, मिला खुशी का खत है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।
कंठ शुष्क थे, जी घुटता था, बेचैनी मुस्काती।
सारा आलम व्यथित हुआ था, सांसें भी थम जाती
हरियाली धरती पर बिखरी, लगता सुखद सतत है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।
स्वेद बहा करता था निशिदिन पर अब जल साथी है।
आसमान से अमिय बरसता, हर शय अब गाती है।।
मौसम तो मनभावन लगता, हर पल उल्लासित है
बहुत दिनों के बाद सभी की, खिली-खिली तबियत है।।
बूंदें लाईं नवल संदेशे, अमन-चैन के मेले।
बच्चे नाव चलाते जल में, लिए हर्ष के रेले।।
जीवन को नवरूप मिला, कृषक हुआ आनंदित है।
बहुत दिनों के बाद सभी की खिली-खिली तबियत है।।

लघुकथा / संजय मृदुल

गुरु दक्षिणा

रमा ने दरवाजा खोला तो सामने एक नौजवान खड़ा था। असमंजस से डूबे हुए स्वर में रमा ने पूछा, 'जी कहिए, किससे मिलना है आपको?'

'अरे रमा आंटी! पहचाना नहीं मैं हूं रिंटू! कई साल पहले यहीं आपके पड़ोस में रहते थे ना हम।' कहकर रिंटू चुप हो गया।

'अरे हां, रिंटू! इतने सालों बाद तुम्हें यूं देखकर थोड़ी हैरान हो गई थी मैं।' रमा को याद आया तो मुस्कुराते हुए उसका हाथ पकड़ भीतर ले आई। रमा अतीत को याद करने लगी। रिंटू के पिता सरकारी कर्मचारी थे। कई साल पहले ट्रांसफर से यहां पड़ोस में रहने आए थे। दो तीन साल रहकर फिर और किसी शहर में चले गए थे।

'तुम अचानक यहां कैसे बेटा? और तुम्हे हम, ये घर याद था अब तक?' रमा ने रिंटू से प्रश्न किया। 'जी आंटी! मेरी बैंक में नौकरी लगी है और पहली पोस्टिंग इसी शहर में मिली है। कुछ दिन पहले ही आया हूं यहां। मां ने याद दिलाया कि आपसे जरूर मिलना। वैसे भी आंटी, भूलने का तो सवाल ही नहीं उठता आपको। आपकी वजह से तो आज मैं यहां तक पहुंचा हूं। आप की दी हुई सीख भूल चुका होता तो पापा की तरह शराबी, जुआरी हो गया होता।'

रमा को बिसरा हुआ सब याद आने लगा। रिंटू के पिता आदतन शराबी थे। करेला और नीम चढ़ा यह कि जुए का भी जबरदस्त नशा था। आए दिन घर पर महाभारत होता। रिंटू की मां भी परिस्थितियों के कारण गुस्सैल हो गई थी। रोज-रोज की मारपीट, झगड़े ने रिंटू का बचपन छीन लिया था। जैसे ही शाम होती वो भागकर रमा के घर आ जाता। जब तक उसके पिता की आवाज आनी बंद नहीं होती, तब तक उन्हीं के पास दुबका रहता। रमा को भी उस नन्हे बच्चे पर तरस आता। उसे खाने को देती, पढ़ाती, नई बातें सिखाती।

'क्या सोचने लगी आंटी? मैं आपसे ही मिलने आया हूं। आज गुरु पूर्णिमा भी है तो और कभी इससे शुभ मुहूर्त नहीं मिलता आपसे मिलने आपका आशीर्वाद लेने का।' रिंटू की बात सुनकर रमा वर्तमान में लौट आई। रिंटू को इस तरह खुश और विश्वास से भरा हुआ देखकर उसे अच्छा लग रहा था।

'घर में सब कैसे हैं रिंटू?' रमा ने रिंटू से पूछा। 'सब कौन आंटी? मैं और मां ही हैं। पापा तो कुछ साल पहले चल बसे। उनकी जगह मां को नौकरी मिल गई।' कुछ ठहरकर रिंटू फिर बोला, 'याद है आंटी, जब मैं रोज आपके यहां आकर छुपता था, आप कितना समझाती थीं मुझे। जब हम शहर छोड़कर जाने वाले थे आपने एक बात कही थी उसी बात ने मुझे आज यह मुकाम दिया है।'

'ऐसा क्या कहा था मैंने? मुझे तो याद नहीं।' रमा ने सवाल किया।

'हमारे घर की हालत तो आपको याद होगी। जब हम शहर छोड़कर जाने वाले थे, तब आपने मुझसे कहा था- रिंटू! कमल केवल कीचड़ में ही खिलता है। तुम्हारे घर के हालात कितने भी खराब हों तुम कभी अपने पापा की तरह बनने की सोचना भी मत। हमेशा सोचना कि कैसे इनके तरह ना बनूं? खूब पढ़ना, मेहनत करना, अपनी मां को सारी खुशियां देना। देखना एक दिन तुम्हारे पापा भी समझ जाएंगे सुधर जाएंगे। बस सब्र रखना। ...और आंटी जी, मैंने आपकी बात को गांठ बांध लिया। जितनी भी मुश्किल आई, हार नहीं माना। घर में जितना भी माहौल खराब रहा, मां को समझाता रहा कि एक दिन सब अच्छा हो जाएगा। और देखिए आज मैं एक अच्छी नौकरी पर हूं। बस दुःख यही है कि पापा नहीं है। उन्हें भी खुशी तो होती आज।' रिंटू भावुक हो गया। 'बिल्कुल होती बेटा। कौन सा बाप बेटे की सफलता पर खुश नहीं होता। भले ही उन्होंने कितने गलत काम किए...' रमा बोली। 'जी आंटी। आपने जो भी सिखाया था उसी का यह परिणाम है।' कहते हुए रिंटू ने अपने बैग में से कुछ सामान निकाला, 'ये मेरी तरफ से कुछ भेंट है, मेरी तरफ से गुरु दक्षिणा मान कर स्वीकार कर लीजिए।' रमा की आंखों में आंसू झिलमिला उठे। स्नेह से रिंटू के सिर पर हाथ फेरा। वाकई कीचड़ में कमल खिलते देख लिया था उसने। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

समय-समाज की कहानियां

गत वर्ष दिवंगत हुए प्रखर कथाकार अवधेश प्रीत की नई कहानियों के संग्रह 'मिनी और अन्य कहानियां' में बारह कहानियां संकलित हैं। इन कहानियों में जहां एक ओर लेखक की वह गहन दृष्टि नजर आती है, जिससे वे अपने समय में होने वाले विचलन को लक्षित करते हैं, साथ ही राजनीतिक और सामाजिक सरोकारों को लेकर उनकी प्रतिबद्धता भी प्रकट होती है। शीर्षक कहानी 'मिनी' का फलक अत्यंत विस्तृत है, जिसमें मीडिया की भूमिका, लोगों के चारित्रिक क्षरण और स्त्री चेतना को स्वर दिया गया है। 'ये शरीफ लोग' कहानी हमारे समय की राजनीति और समाज के उस स्याह यथार्थ को सामने लाती है, जिसमें एक स्त्री भरपूर संकल्प के साथ संघर्ष के लिए कदम तो बढ़ाती है लेकिन लोगों के संबल के अभाव में हार मान लेती है। 'बारिश' कहानी आम इंसान के रोजमर्रा के खटराग और उसके अंतर्द्वंद्व को सामने लाती है। 'कॉफी' एक वृद्ध दंपती की भावनाओं और उनके अतीत की स्मृतियों को व्यक्त करती है तो 'उस मोड़ का अफसाना' अपने-अपने दांपत्य जीवन से आबद्ध दो सहेलियों के अतीत और वर्तमान प्रेम संबंध की कोमल-खुरदरी अनुभूतियों को पूरी भावुकता से स्वर देती है। पठनीयता से भरपूर और भाषा में स्थानीयता की सोंधी गंध लिए ये कहानियां, आत्मविवेचन के लिए भी प्रेरित करती हैं। *

मिनी और अन्य कहानियाँ
अवधेश प्रीत

किताब: मिनी और अन्य कहानियां(कहानी-संग्रह), **लेखक:** अवधेश प्रीत, **मूल्य:** 299 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

हरियाली से ढंकी वादियों वाला कुर्ग

कर्नाटक राज्य में स्थित कुर्ग, दक्षिण भारत का सबसे विख्यात मानसून ट्रैवल डेस्टिनेशन है। जुलाई-अगस्त के महीने में यह स्थान कोहरे से ढंके कॉफी प्लांटेशनों, पानी से भरे झरनों और हरे-भरे जंगलों में तब्दील हो जाता है। इन्हीं महीनों में ही यहां कक्काडा का कोडव माह भी पड़ता है, जब बांस, जंगली मशरूम और मेडिसिनल यूज वाली मड्डु थोप्प पत्तियां, स्थानीय व्यंजनों का हिस्सा बन जाती हैं। आप यहां पहाड़ों में लॉन्ग ड्राइव करते हुए ऐबी फाल्स, राजा की सीट और दुबारे एलीफैंट कैंप पर रुक सकते हैं या प्लांटेशन स्टे में रहकर बारिश का आनंद ले सकते हैं। *

शांत-मनमोहक हिल स्टेशन भंडारदरा

महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में स्थित एक बेहद खूबसूरत और शांत हिल स्टेशन है भंडारदरा। यह सह्याद्री की पहाड़ियों में प्रवारा नदी के किनारे बसा हुआ है और अपने शानदार झरनों, प्राचीन किलों और हरी-भरी वादियों के लिए जाना जाता है। यह मुंबई से लगभग 185 किलोमीटर दूर है। सड़क मार्ग से गाड़ी द्वारा यहां पहुंचने में करीब 4 से 4.5 घंटे का समय लगता है। यहां के प्रमुख आकर्षणों में से एक विल्सन डैम, प्रवारा नदी पर बना भारत के सबसे पुराने बांधों में से एक है। बारिश के मौसम में विल्सन डैम से गिरता हुआ पानी बिल्कुल छतरी जैसा आकार बनाता है, इसीलिए इसे अंब्रेला फॉल कहते हैं। यहां स्थित रंधा फॉल को 'इंडियन नियाग्रा फॉल्स' भी कहा जाता है, जो एक गहरी खाई में लगभग 170 फीट की ऊंचाई से गिरता है। इस धुंध भरे मौसम में भंडारदरा में कैंपिंग का भरपूर आनंद ले सकते हैं। *

{ सीजनल ट्रैवलिंग / समीर चौधरी }

जुलाई-अगस्त के महीनों में जहां देश के अधिकांश हिस्से बारिश से सराबोर रहते हैं, वहीं कुछ खूबसूरत पर्यटन स्थल, इस मौसम में और भी मोहक और आकर्षक हो जाते हैं। कहीं फूलों की घाटियां खिल उठती हैं, तो कहीं झरने, जंगल, पहाड़ और धुंध पर्यटकों को शानदार अनुभव प्रदान करते हैं। यहां देश के ऐसे ही कुछ शानदार मानसून ट्रैवल डेस्टिनेशंस के बारे में बता रहे हैं।

मानसून में घुमक्कड़ी के लिए बेस्ट ये अमेजिंग ट्रैवल डेस्टिनेशंस

हिमालय की गोद में बसी फूलों की घाटी

जुलाई-अगस्त में उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित फूलों की घाटी, जो कि यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज में लिस्टेड है, भी खिलने लगती है। हजारों अल्पाइन फूल पश्चिम हिमालय की गोद में बसी इस वादी को रंगों के इंद्रधनुष में बदल देते हैं। यह खूबसूरत घाटी साल में सीमित समय (1 जून से 31 अक्टूबर) के लिए ही खुलती है क्योंकि यह अधिकतर समय बर्फ से ढंकी रहती है। फूलों की घाटी की सैर करते हुए आप हेमकुंड साहिब भी जा सकते हैं जो एक सिख धर्मावलंबियों का तीर्थ स्थल है और इसी मौसम में दर्शन के लिए खुलता है। *

सुंदर-मनमोहक लैंडस्केप तवांग

अरुणाचल प्रदेश में तवांग की यात्रा करने के लिए भी सबसे अच्छा महीना जुलाई-अगस्त ही है। ऊंचाई पर बसे इस शहर में तापमान ठंडा रहता है और हरे-भरे पहाड़ी लैंडस्केप आकर्षित करते हैं। सेला पास, माधुरी झील और बुम-ला का कुदरती सौंदर्य आप कभी नहीं भूल पाएंगे। अगर मौसम खराब न हो तो कुछ समय 17वीं शताब्दी में निर्मित तवांग मठ में भी अवश्य गुजारें। यह भारत का सबसे बड़ा बौद्ध मठ है। इसके साथ ही यहां फूलों भरी घाटियां और घुमावदार ग्लेशियर झीलें भी दर्शनीय हैं। *

जन्नत जैसा लाहौल-स्पीति

हिमाचल प्रदेश में पहले लाहौल और स्पीति के रूप में दो अलग-अलग जिले थे, लेकिन अब इन्हें मिलाकर एक जिला लाहौल-स्पीति कर दिया गया है। जुलाई के महीने में इस क्षेत्र में पर्यटकों के आने का सिलसिला शुरू हो जाता है, क्योंकि बर्फ पिघलना आरंभ हो जाती है और सड़कों पर चलना संभव हो जाता है। एडवेंचर पसंद करने वालों, प्रकृति प्रेमियों और शहरी जीवन की तेजी व शोर-शराबे से बचने वालों के लिए लाहौल-स्पीति जुलाई-अगस्त के महीनों में जन्नत जैसा हो जाता है। इस समय मौसम इतना सुहावना होता है कि ठंड का एहसास तक नहीं होता और गर्मी लगने का तो सवाल ही नहीं उठता है। सबसे अच्छी बात यह है कि लाहौल-स्पीति, रेन शैडो एरिया है, जिसका अर्थ है कि यहां जुलाई में न के बराबर बारिश पड़ती है, इसलिए जब देश के बाकी हिस्सों में मानसून अपने चरम पर होता है तो उससे बचने के लिए लाहौल-स्पीति में आनंदमय शरण ली जा सकती है। *

कांवड़ यात्रा शिवभक्ति के साथ संकल्प-श्रद्धा की पावन यात्रा

कंधों पर कांवड़, पैरों में छाले और जुबां पर सिर्फ एक ही उद्घोष- हर-हर महादेव। सावन आते ही सड़कों पर उमड़ता आस्था का यह जनसैलाब, सदियों पुरानी उस परंपरा की कहानी कहता है, जहां आस्था, त्याग और शिवभक्ति साथ-साथ चलते हैं।

{ आस्था / शिखर चंद जैन }

शिव आराधना का सबसे पावन और कठिन अनुष्ठान है कांवड़ यात्रा। श्रावण मास की शुरुआत से ही चारों ओर 'बम-बम भोले', 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' की गूंज सुनाई देने लगती है। केसरिया वस्त्र पहने लाखों श्रद्धालु कांवड़िए पवित्र नदियों से जल भरकर पैदल यात्रा करते हैं और शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं। कांवड़ यात्रा केवल एक धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि अगाध श्रद्धा, मानसिक संकल्प और शारीरिक सहिष्णुता का जीवंत प्रतीक है। ऊंच-नीच के भेदभाव को भुलाकर, केवल शिव भक्ति में लीन होकर एक ही दिशा में कदम बढ़ाना इस यात्रा को अलौकिक और अद्वितीय बनाता है।

कांवड़ यात्रा की शुरुआतः कांवड़ यात्रा की शुरुआत को लेकर कई धार्मिक-पौराणिक कथाएं एवं मान्यताएं प्रचलित हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार परशुराम जी को सबसे पहला कांवड़िया माना जाता है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के बागपत के पास 'पुरा महादेव' नाम के दिव्य शिवलिंग की स्थापना की थी। परशुराम जी ने गढ़मुक्तेश्वर से पवित्र गंगाजल लाकर इस शिवलिंग पर जलाभिषेक किया था। उस समय श्रावण मास चल रहा था। तभी से इस परंपरा की शुरुआत मानी जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार, समुद्र मंथन के समय जब हलाहल विष निकला, तो ब्रह्मांड को बचाने के लिए भगवान शिव ने उसे अपने कंठ में धारण कर लिया। विष के प्रभाव से शिव जी का कंठ नीला पड़ गया और उनका शरीर तपने लगा। शिव जी के शरीर की जलन को शांत करने के लिए सभी देवताओं ने उन पर पवित्र नदियों का जल चढ़ाया। रावण द्वारा वैद्यनाथ धाम में गंगाजल लाकर शिव जी को अर्पित करने की कथा भी प्रचलित है।

कांवड़ यात्रा की महत्ताः यात्रा के दौरान कांवड़िए मांस, मदिरा, तामसिक भोजन और अपशब्दों से पूरी तरह दूर रहते हैं। बिना जूते-चप्पल के पैदल चलना सहनशीलता सिखाता है। मान्यता है कि जो भक्त सच्चे मन से गंगाजल लाकर शिव जी का अभिषेक करता है, उसकी सभी सांसारिक बाधाएं दूर हो जाती हैं और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

कई प्रकार की कांवड़ यात्राएं

सामान्य कांवड़ः इसमें कांवड़िए आराम से यात्रा करते हैं। वे रास्ते में बने शिविरों में रुक सकते हैं, भोजन कर सकते हैं और सो सकते हैं। रुकने के दौरान कांवड़ को स्टैंड या पेड़ पर टांगा जाता है।

डाक कांवड़ः इसमें जल भरने के बाद कांवड़िया बिना रुके लगातार दौड़ता या तेज चलता है। यदि कोई डाक कांवड़िया थक जाता है, तो उसकी टीम का दूसरा सदस्य कांवड़ लेकर दौड़ना शुरू करता है।

खड़ी कांवड़ः इस यात्रा में कांवड़ को हमेशा गति में रखना होता है। यदि कांवड़िया आराम करता है, सोता है तो उसकी जगह किसी दूसरे सहयोगी को कांवड़ को अपने कंधे पर लेकर खड़े रहना या चलना पड़ता है।

दंडी कांवड़ः इसमें श्रद्धालु नदी से जल भरने के बाद शिव मंदिर तक की पूरी दूरी साष्टांग प्रणाम करते हुए पूरी करते हैं। इस यात्रा को पूरा करने में हफ्तों या महीनों का समय लग जाता है।

प्रसिद्ध कांवड़ यात्राएंः भारत में दो सबसे बड़ी कांवड़ यात्राएं आयोजित होती हैं। पहली हरिद्वार यात्रा, जिसमें श्रद्धालु हरिद्वार, ऋषिकेश या गौमुख से गंगाजल भरते हैं। ये श्रद्धालु वापस आकर अपने स्थानीय शिव मंदिरों में जल चढ़ाते हैं। दूसरी सुल्तानगंज से देवघर तक की यात्रा। इस यात्रा में श्रद्धालु सुल्तानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा का जल लेते हैं और देवघर स्थित वैद्यनाथ धाम में ज्योतिर्लिंग पर जल अर्पित करते हैं। *

जंगलों के नायक-रक्षक फॉरेस्ट रेंजर

जंगली जानवरों ही नहीं वन संपदा की सुरक्षा करने और उन्हें संवर्धित करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका फॉरेस्ट रेंजर्स की होती है। ये किस-किस तरह की भूमिकाएं निभाते हैं, इस बारे में आपको भी जानना चाहिए।

{ भूमिका / शैलेंद्र सिंह }

जब भी भारत के बाघों की बढ़ती संख्या, एशियाई शेरों और काजीरंगा के गैंडों की सुरक्षा या हाथियों के संरक्षण की बात होती है, तो सुर्खियों में अकसर राष्ट्रीय उद्यान, अभ्यारण्य और सरकारी योजनाएं होती हैं। लेकिन इन सफलताओं के पीछे ऐसे हजारों चेहरे भी होते हैं, जिनका नाम शायद ही कभी सुर्खियां बनता हो। ये हैं हमारे फॉरेस्ट रेंजर और फ्रंट लाइन वन सुरक्षाकर्मी। ये वो लोग होते हैं, जो हर मौसम, हर परिस्थिति और हर खतरे के बीच जंगलों की रक्षा में दिन-रात डटे रहते हैं। यही कारण है कि 31 जुलाई को मनाया जाने वाला विश्व रेंजर दिवस केवल एक औपचारिक दिवस भर नहीं है, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी है।

निभाते हैं कई भूमिकाएंः वन या फॉरेस्ट रेंजर का काम केवल जंगल में गश्त लगाना भर नहीं है, उसकी जिम्मेदारी वास्तव में किसी एक विभाग तक सीमित नहीं है। उन्हें वन्यजीवों की सुरक्षा करनी पड़ती है, अवैध शिकार पर नजर रखनी होती है, लकड़ी की तस्करी रोकनी होती है, जंगल में लगने वाली आग पर नियंत्रण पाना होता है, मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति में लोगों और जानवरों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होती है और कई बार घायल वन्यजीवों के बचाव अभियान में भी हिस्सा लेना पड़ता है। मतलब यह एक ऐसी नौकरी है, जिसमें हर दिन एक नहीं बल्कि कई तरह की चुनौतियों से निपटना होता है।

कठिनाइयों में निभाते दायित्वः एक वन रेंजर का दिन अकसर सूर्योदय से पहले शुरू हो जाता है। वह कई किलोमीटर तक पैदल गश्त करता है। दुर्गम पहाड़ियों पर चढ़ाई करता है। घने जंगलों में घंटों तक निगरानी करता है और रात में भी सतर्क रहना पड़ता है। यह सब उसके काम का हिस्सा है। बरसात, भीषण गर्मी या कड़ाके की ठंड, प्रकृति का कोई भी मौसम उसकी जिम्मेदारी को कम नहीं करता बल्कि कई बार उसे ऐसे इलाकों में काम करना पड़ता है, जहां मोबाइल नेटवर्क तक काम नहीं करता।

हर क्षेत्र में सक्रियः निःसंदेह आज भारत दुनिया का सबसे ज्यादा जंगली बाघों वाला देश है। लेकिन यह उपलब्धि केवल सरकारी नीतियां बना देने भर का परिणाम नहीं है बल्कि उन वन कर्मियों की सतत मेहनत का भी नतीजा है, जो कैमरा ट्रैप की निगरानी करते हैं, जंगल में गश्त करते हैं, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हैं और शिकारियों के खिलाफ कार्यवाई करते हैं। गुजरात में एशियाई शेरों की सुरक्षा का सवाल हो, असम में एक सींग वाले गैंडों का संरक्षण हो या दक्षिण भारत के हाथी गलियारों की निगरानी करनी हो, हर जगह वन रेंजर सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं।

बढ़े हैं नए दायित्वः हाल के कुछ सालों में वन रेंजरों का कार्यक्षेत्र और भी ज्यादा व्यापक हुआ है। जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया के जंगलों में लगने वाली आग की घटनाएं बढ़ रही हैं, वर्षा के पैटर्न बदल रहे हैं और मानव-वन्यजीव संघर्ष के मामले भी बढ़े हैं। ऐसे में वन रेंजर अब केवल वन्यजीवों के संरक्षक भर नहीं हैं बल्कि पर्यावरणीय आपदाओं से निपटने वाले अग्रिम प्रहरी भी बन गए हैं। वे जंगलों की स्थिति का आंकलन करते हैं, जलस्रोतों की निगरानी करते हैं और स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर संरक्षण योजनाओं को लागू करते हैं। तकनीक ने इनके काम को नई दिशा दी है। आज कैमरा ट्रैप, ड्रोन, जीपीएस आधारित स्मार्ट पेट्रोलिंग, रेडियो कॉलर, सैटेलाइट मैपिंग और एआई जैसे उपकरण वन्यजीव संरक्षण में मदद कर रहे हैं। मगर ये सारी तकनीक सिर्फ सहायक हैं। अंतिम निर्णय और जोखिम उठाने का साहस केवल और केवल वन रक्षकों का ही होता है। इसलिए आज भी मौके पर त्वरित कार्यवाई वन रेंजरों की सूझबूझ और अनुभव के जरिए ही होती है।

रिस्क भी है बहुतः फॉरेस्ट रेंजर्स का काम जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही जोखिम भरा भी है। कई बार उन्हें हथियाबंद शिकारियों और वन माफिया का भी सामना करना पड़ता है। दूसरी तरफ जंगली हाथी, बाघ, तेंदुए या भालू जैसे वन्यजीवों से अचानक सामना भी जानलेवा हो सकता है। जंगल की आग, बाढ़, भू-स्खलन और विषैले जीव-जंतु भी उनकी राह में कई तरह के जानलेवा रोड़े अटकाते हैं। यह अकारण नहीं है कि दुनिया में हर वर्ष बड़ी संख्या में वन रेंजर ड्यूटी के वक्त अपनी जान गंवा देते हैं। विश्व रेंजर दिवस वास्तव में ऐसे ही बहादुर वन रक्षकों को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है। *

एक्टिंग की दुनिया में विक्रांत मेसी का नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं है। टीवी से शुरू हुआ विक्रांत का सफर फिल्म और वेब सीरीज तक पहुंच चुका है। हर किरदार में कुछ नया तलाशने वाले विक्रांत इन दिनों नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को लेकर चर्चा में हैं। यहां प्रस्तुत है इस वेब सीरीज और एक्टिंग करियर पर विक्रांत मेसी से हुई बातचीत के प्रमुख अंश।

लवस्टोरी बेस्ड बहुत दिलचस्प वेब सीरीज है 'मुसाफिर कैफे': विक्रांत मेसी

{ खास मुलाकात / आरती सक्सेना }

विक्रांत मेसी ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत टीवी से की थी। उसके बाद विक्रांत ने फिल्मों में काम शुरू किया। उनको फिल्म '12वीं फेल' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कई वेब सीरीज में भी विक्रांत मेसी ने अलग-अलग तरह का अभिनय करके दर्शकों के बीच अपनी खास पहचान बनाई। 24 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' में विक्रांत मेसी रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। साथ ही विक्रांत इस सीरीज के को-प्रोड्यूसर भी हैं। 'मुसाफिर कैफे' में उनका काम करने का अनुभव कैसा रहा? इसके अलावा अपने एक्टिंग करियर से जुड़े कई दिलचस्प सवालों के जवाब दिए विक्रांत मेसी ने।

रोमांटिक वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' में आप एक्टर होने के साथ-साथ को-प्रोड्यूसर भी हैं। इस वेब सीरीज को प्रोड्यूस करने और इसमें अभिनय करने का खयाल आपके मन में कैसे आया?

एक एक्टर की हमेशा ख्वाहिश होती है कि उसे अच्छी कहानी पर काम करने का या अभिनय करने का मौका मिले। मेरी भी हमेशा कोशिश रहती है कि मैं जो भी काम करूं या जो भी किरदार निभाऊं, उसमें मुझे कुछ अलग कुछ नया करने का मौका मिले। ऐसे में जब मुझे 'मुसाफिर कैफे' वेब सीरीज का ऑफर आया तो मुझे इसकी कहानी अच्छी लगी, लिहाजा मैंने इस वेब सीरीज में एक्टिंग करने के साथ-साथ बतौर सह निर्माता भी नई शुरुआत की। चूंकि यह सीरीज नेटफ्लिक्स की है और मैं नेटफ्लिक्स के साथ पहले भी काफी काम कर चुका हूं, इसलिए मुझे लगा कि मैं 'मुसाफिर कैफे' प्रोड्यूस भी करूं। यह लवस्टोरी पर बेस्ड बहुत ही दिलचस्प सीरीज है, जिसमें पहाड़ों में रोमांस दिखाया गया है।

'मुसाफिर कैफे' के एक सीन में को-एक्ट्रेस के साथ विक्रांत मेसी

'मुसाफिर कैफे' में रोमांस को दो तरीके से दिखाया गया है, जिसमें एक तरफ जवानी की शुरुआत के दौरान का प्यार है, जो हमें प्यार करना सिखाता है और दूसरी तरफ एक ऐसा भी प्यार है, जो सच्चे प्यार की अहमियत समझाता है। इन दोनों में से कौन-सा प्यार आपको आकर्षित करता है?

मेरे खयाल में अगर जिंदगी का तजुर्बा हासिल करना है तो दोनों प्यार का अनुभव पाना जरूरी है। एक बार प्यार में दिल टूटने के बावजूद अगर आपको दूसरा प्यार मिल जाता है तो इसके बाद आपको सच्चे प्यार की परख होती है। और यह फर्क तभी पता चलता है, जब आप दोनों प्यार की अच्छाई-बुराई का अनुभव करते हैं। जवानी में होने वाला प्यार आपको खुशी देता है, तो एक उम्र के बाद मैच्योरिटी में मिला प्यार आपको सुकून देता है। यही इस सीरीज में दिखाया गया है। इस सीरीज की कहानी दिव्य प्रकाश दुबे की नॉवेल पर बेस्ड है।

इस सीरीज में एक्टिंग के साथ-साथ को-प्रोड्यूसर की जिम्मेदारी संभालना आपके लिए कितना मुश्किल या कितना आसान रहा?

सच कहूं तो मुझे तकनीकी पक्ष की ज्यादा जानकारी नहीं है। लेकिन शरण्या राजगोपाल जैसी सक्षम लेखिका और टेरीबली टिनी टेल्स जैसे बेहतरीन प्रोडक्शन पार्टनर की वजह से बतौर निर्माता मेरे लिए काम करना आसान हो गया। इनके साथ काम करने के बाद मुझे प्रोडक्शन या तकनीकी पहलुओं पर ध्यान देने की जरूरत नहीं पड़ी। अगर दमदार कहानी हो, अच्छी स्क्रिप्ट और पूरी तैयारी हो तो आपको सेट पर जाकर काम करना आसान हो जाता है।

आपने छोटे पर्दे यानी टीवी से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करके बड़े पर्दे पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। '12वीं फेल' के लिए तो आपको राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। अपने इस सफर को आप कैसे देखते हैं?

राष्ट्रीय पुरस्कार पाना एक कलाकार के लिए बहुत बड़े सम्मान की बात होती है। जब मुझे पता चला कि मुझे '12वीं फेल' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है, तो मेरी खुशी का ठिकाना नहीं था। बाकी जहां तक टीवी से फिल्म और फिल्म से वेब सीरीज तक अभिनय सफर की बात है तो वह मुश्किल भी रहा और मजेदार भी, क्योंकि आपको जब कड़ी मेहनत करने के बाद सफलता का मजा चखने का मौका मिलता है तो एक अंदरूनी खुशी होती है। जिसे बयां नहीं किया जा सकता है।

काम के प्रति आपका उत्साह, आपकी लगन और ऊर्जा आज भी बरकरार है। आपके प्रेरणा स्रोत कौन हैं?

एक एक्टर कभी भी अपने काम से संतुष्ट नहीं होता और उसे ऐसा लगता है कि अभी बहुत कुछ करना बाकी है। यही जुनून उस एक्टर के लिए प्रेरणा स्रोत होता है। जब मुझे राष्ट्रीय पुरस्कार मिला तो कई लोगों ने मुझे यही सवाल किया, 'आपका लक्ष्य तो पूरा हो गया, क्या आगे भी आप ऐसे ही काम के प्रति प्रोत्साहित रहेंगे?' ऐसे में मेरा यही मानना है पुरस्कार या सम्मान यात्रा के पड़ाव हैं। असली लक्ष्य है, अच्छी कहानी के जरिए आम लोगों के बीच सच में बदलाव करना। *